卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐जय बाबा की卐卐श्याम बाबा卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये
केंद्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

# उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 45 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर( ऊधमसिंहनगर ) ♦शुक्रवार ♦21 नवम्बर 2025 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

## अर्टिगा और बोलेरो की भिड़ंत में वनकर्मी की मौत, तीन घायल

रामनगर( उद संवाददाता)। नेशनल हाईवे काशीपुर रोड पर पीरूमदारा के पास शुक्रवार तड़के हुई भीषण सड़क दुर्घटना ने क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया। अर्टिगा कार और बोलेरो वाहन की जोरदार भिड़ंत में एक वनकर्मी की मौत हो गयी। जबकि तीन लोग घायल हो गये। घायलों को रामनगर स्थित राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा है वहीं वन विभाग में भी शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार यह हादसा तड़के करीब तीन बजे तब हुआ। जब वन विभाग का बोलेरो वाहन संख्या यूके 04जी 0165 और तेज रफ्तार एर्टिका कार संख्या यूके 19टीए 1342 पीरूमदारा के पास आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस दुर्घटना में बुलेरो में ड्राइवर सीट पर बैठे वनकर्मी 35 वर्षीय मनीष बिष्ट की मौके पर ही मौत हो गई। मनीष बिष्ट मूल रूप से रामनगर के चिल्किया क्षेत्र के निवासी थे और तराई पश्चिमी वन प्रभाग में ड्राइवर के पद पर तैनात थे। उन्हें तड़के आमपोखरा( शेष पृष्ठ सात पर)



## कांग्रेस ने वन विभाग का किया घेराव

### जंगली जानवरों के बढ़ते हमलों को लेकर कांग्रेस का हल्ला बोल

देहरादून। उत्तराखंड में जंगली जानवरों के बढ़ते हमलों को लेकर कांग्रेस ने राज्य वन विभाग कार्यालय का घेराव किया। कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के आह्वान पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता देहरादून के दिलाराम चौक पर एकत्रित हुए। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की और फिर वन भवन की ओर कूच किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हल्की नोकझोंक देखने को मिली, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने वन विभाग परिसर में प्रवेश कर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। कार्यकर्ता परिसर में बैठकर राज्य सरकार और वन विभाग की नीति के खिलाफ आवाज उठाते रहे। कांग्रेस का आरोप है कि राज्य में लगातार जंगली जानवरों के हमले बढ़ रहे हैं। इन हमलों में अब तक कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। इसके बावजूद सरकार और वन विभाग इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठा पाए हैं। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने इस मौके पर कहा कि हमने कई बार सरकार और वन विभाग को चेताया है कि ( शेष पृष्ठ सात पर)



## पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ लोगों ने ली राहत की सांस

काशीपुर। द्रोणा सागर स्थित पौराणिक टीले से सुबह सवेरे महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। लोगों की शिकायतों के बाद वन विभाग द्वारा लगाया गया पिंजरा आज फिर काम कर गया। सुबह-सुबह इलाके में घूम रहा एक तेंदुआ पिंजरे में फँस गया, जिससे स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली है। करीब 10-15 दिन पहले टीले के आसपास तेंदुए की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग ने पिंजरे लगाए थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक कई दिनों से लोग तेंदुए की आवाजाही से भयभीत थे। वन विभाग की टीम लगातार इस क्षेत्र में गश्त कर रह थी। सूत्रों की मानें तो टीले में अभी भी 4 से 5 तेंदुओं के होने की संभावना है। वन विभाग ने इलाके की निगरानी और बढ़ा दी है, ताकि बाकी तेंदुओं को भी पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा जा सके। तेंदुए के डर से रात में लोग घरों से बाहर निकलने में भी घबराते थे।

## जीएसटी अधिकारी के खिलाफ गरजे व्यापारी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। राज्य कर विभाग के एक अधिकारी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए आज व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा के नेतृत्व में दर्जनों व्यापारियों ने राज्य कर विभाग कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन कर धरना दिया। अध्यक्ष सुजय जुनेजा का आरोप था कि राज्य कर विभाग का एक अधिकारी पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त है। जिसने व्यापारियों में आतंक मचाया हुआ है। उसका काम केवल पैसों की वसूली करना ही है। संजय ने कहा कि रूद्रपुर की सीमा पर तैनात यह अधिकारी व्यापारियों का उत्पीड़न कर रहा है। व्यापारियों के सही माल को गलत बताकर सुबह 6 बजे ही रोक ले रहा है और रात्रि 9 बजे बाद छोड़ रहा है। जिससे व्यापारियों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा विगत दिवस इस अधिकारी ने प्रातः 6 बजे ट्रक में लकड़ी को फर्नीचर का बताकर रोक लिया। जब उन्हें बताया गया कि यह लकड़ी सिर्फ जलाने के काम आती दहै तो उसने मानने से इंकार कर दिया और देर सायं तक ट्रक को नहीं छोड़ा। संजय ने बताया कि जब लकड़ी भरे ट्रक की वीडियो बनाकर विभाग के उच्चाधिकारियों को भेजी गई तो इसके बाद दबाव बनने पर ट्रक को छोड़ा गया। अध्यक्ष संजय ने कहा कि यह भ्रष्ट अधिकारी सही व्यापारी को भी चोर साबित करने में लगा रहता है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा विभाग जीएसटी बचत उत्सव कार्यक्रम एक दिखावा मात्र है। यहां सीमा पर विभाग को माह में डेढ़ करोड़ रूपये जीएसटी संग्रह का लक्ष्य दिया गया है जिसे पूरा करने के लिए अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त रहकर कुछ भी करने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा यदि विभाग के भ्रष्ट अधिकारी ने अपना रवैया नही बदला तो उसके खिलाफ व्यापारी मोर्चा खोल देंगे। धरना प्रदर्शन करने वालों ( शेष पृष्ठ सात पर)



## कांग्रेसियों ने फूंका भाजपा सरकार का पुतला

रामनगर( उद संवाददाता)। उत्तराखंड में कर्मचारियों पर छह महीने के लिए एस्मा लागू किए जाने के विरोध में कांग्रेसियों जुलूस प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार का पुतला दहन किया। यह कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताते हुए सरकार के खिलाफ बड़े जन आंदोलन की चेतावनी दी। रामनगर में आयोजित विरोध कार्यक्रम में पूर्व विधायक और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणजीत सिंह रावत ने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा भाजपा लोकतंत्र की लगातार हत्या कर रही है। कर्मचारियों की मांगें उठाने वालों पर म्ैड। लगाकर सरकार ने तानाशाही रवैया दिखाया है। यह पूरी तरह लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या है। कांग्रेस अगले दिनों में सरकार के इस फैसले के खिलाफ प्रदेशव्यापी जन आंदोलन शुरू करेगी। रणजीत सिंह रावत ने कहा कि कर्मचारी अपनी समस्याओं, समय पर प्रमोशन, वेतन विसंगतियों और सेवा संबंध ी मुद्दों को लेकर आवाज उठा रहे थे। ऐसे समय में सरकार का एस्मा लागू करना उनके अधिकारों को दबाने का प्रयास है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस "काले कानून" को तुरंत वापस नहीं लिया, तो कांग्रेस सड़क से लेकर विध ानसभा तक बड़े स्तर पर आंदोलन करेगी। विरोध कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार का पुतला दहन किया और जोरदार नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने कर्मचारियों पर म्ैड। तुरंत निरस्त करने की मांग भी दोहराई। बता दें कर्मचारियों पर एस्मा लागू होने के बाद अब राज्य में कोई भी सरकारी कर्मचारी अगले छह महीनों तक हड़ताल नहीं कर सकेगा। इससे कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ी है और विपक्षी दलों में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।



## 22 टायरा डंपर घुसा मिल में, पूरी बिल्डिंग क्रैक

### बिजली के कई खंभे भी जमीन पर गिरे, मचा हड़कम्प

लालपुर( उद संवाददाता)। जिले में तेज रफ्तार और लापरवाही का एक और मामला सामने आया है। बिना नंबर का 22 टायर डंपर रुद्रपुर की ओर से तेज गति से आ रहा था। टोल प्लाजा से लगभग एक किलोमीटर पहले, जहां टोल प्लाजा का बोर्ड लगा है, उसी स्थान पर हाईवे के किनारे स्थित श्याम जी पैड़ी मिल में जा घुसा।टक्कर इतनी भीषण थी कि मिल की पूरी दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। हादसा यहीं नहीं रुका, डंपर की रफ्तार और टक्कर की शक्ति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वहां लगे बिजली के कई खंभे भी जमीन पर आ गिरे। हैरानी की( शेष पृष्ठ सात पर)

## साईबर ठगों ने ट्रेडिंग का झांसा देकर डीएसपी से ठगे 2.20 लाख

देहरादून( उद संवाददाता)। शहर में साइबर ठगों ने एक बार फिर अपनी हरकतों से लोगों को चौंका दिया। इस बार ठगी का शिकार देहरादून के डीएसपी रविकांत सेमवाल सहित दो नागरिक हुए, जिनसे साइबर अपराधियों ने कुल 3.31 लाख रुपये उड़ा लिए। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पहली शिकायत डीएसपी रविकांत सेमवाल की ओर से दर्ज कराई गई। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर को उन्होंने फेसबुक पर एक ट्रेडिंग विज्ञापन देखा, जिसका प्रचार केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन कर रही थी। विज्ञापन में दिए गए लिंक पर क्लिक कर उन्होंने अपना नंबर और अन्य विवरण अपलोड करके रजिस्ट्रेशन किया। इसके बाद उन्हें आईएसडी कॉल आया और उसी दिन उन्होंने निवेश किया। निवेश से उन्हें प्रारंभिक तौर पर 1,687 रुपये का लाभ हुआ। ठगों ने इस लाभ को बढ़ाने के बहाने डीएसपी से मोटी धनराशि जमा कराने का प्रलोभन दिया। इसके परिणामस्वरूप उन्होंने 2.20 लाख रुपये जमा कर दिए, ( शेष पृष्ठ सात पर)

## एडीएम ने बेस अस्पताल का किया निरीक्षण

हल्द्वानी( उद संवाददाता)। सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में दोनों लिफ्टों के खराब होने की सूचना पर जिला प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने मामले का संज्ञान लेते हुए अस्पताल प्रबंधन को तत्काल मरम्मत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए । साथ ही अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) विवेक राय को स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की जानकारी लेने को कहा गया। निर्देशों के अनुपालन में शुक्रवार को एडीएम विवेक राय बेस चिकित्सालय पहुँचे और लिफ्टों की मरम्मत से संबंधित चल रही कार्यवाही का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक के.एस. दताल ने अवगत कराया कि दोनों लिफ्टों की मरम्मत हेतु संबंधित कंपनी से बातचीत पूरी हो चुकी है और कार्यादेश जारी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लिफ्टों की मरम्मत ( शेष पृष्ठ सात पर)

आवश्यकता है
रूद्रपुर में न्यूज चैनल के लिए एक वीडियो एडिटर की अवश्यकता है। शीघ्र सम्पर्क करें:- 9897427586

## उत्तराखण्ड में बढ़ता जा रहा भालू, गुलदार व जंगली सूअर का आतंक,मूकदर्शक बना वन महकमा

# पता नहीं कौन होगी अगली रामेश्वरी देवी?

### वन्यजीवों के हमले में इस वर्ष 25 लोग घायल हुए,भालू के हमले में 6 लोगों की हुई मौत

देहरादून/चमोली(उद ब्यूरो)। उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में आबादी के बीच अक्सर गुलदार और बाघों की मौजूदगी दर्ज की जाती है। लेकिन अब भालू ने भी अपनी दस्तक से लोगों की दशहत को कई गुना बढ़ा दिया है। लेकिन सवाल यही है कि इन घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ने आजतक किया क्या है? रोकथाम कहाँ है? तकनीकी टीम, गश्त, सुरक्षा उपकरण ये सब कागजों में तो बहुत अच्छा लगता है। जमीन पर क्या हो रहा है? उत्तराखंड के पहाड़ों में भालू, गुलदार, जंगली सूअर का आतंक दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। लोग घर से निकलने से डरने लगे हैं। महिलाएं घास लाने जाएँ तो जान हथेली पर, बच्चे स्कूल जाएँ तो दिल धुकधुक। लेकिन वन विभाग है कि बस मीटिंग करता रहता है, पटाखे फोड़ता रहता है, सलाह देता रहता है? प्रदेश के खासकर गढ़वाल क्षेत्र में भालू द्वारा ग्रामीणों पर हमलों की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। दहशत के कारण ग्रामीणों ने शाम होते ही घरों से निकलना बंद कर दिया है। भालुओं के इन हमलों में इस साल अबतक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। हालात ये हैं कि विभाग एक जिले से भालू के आतंक को खत्म करने की रणनीति बनाता है, लेकिन तब तक दूसरा जिला भालू से आर्तंकित हो रहा होता है। ऐसा नहीं है कि उत्तराखंड में भालू ही सबसे ज्यादा आर्तंकित कर रहे हैं। देखा जाए तो लोगों पर हमला करने में गुलदार सबसे आगे हैं। उत्तराखंड वन विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार, साल 2000 से लेकर 17 नवंबर 2025 तक के आंकड़े बताते हैं कि गुलदार ने अब तक 546 लोगों की जान ली है। जबकि 2,126 लोग घायल हुए हैं। इसी तरह से हाथी ने 230 लोगों की जान ली है। जबकि 234 लोग हाथी के हमले में घायल हुए हैं। इसी तरह बाघ ने 106 लोगों की जान ली है। जबकि 134 लोग घायल किए हैं। इसी तरह से भालू ने 71 लोगों की जान ली, जबकि 2,009 लोग घायल किए हैं। इसके अलावा अन्य जानवर भी उत्तराखंड में लोगों की जान लेते रहे हैं। सर्पदंश के मामले में अब तक 260 लोग मारे जा चुके हैं। जबकि 1,056 लोग सांप के काटने से घायल हुए हैं। जंगली सूअर भी 30 लोगों की जान ले चुके हैं। जबकि 663 लोगों को उन्होंने घायल किया है। बंदर अब तक 211 लोगों को घायल कर चुके हैं। ततैया 10 लोगों की जान ले चुकी हैं और 16 लोगों को घायल कर चुकी हैं। मगरमच्छ भी उत्तराखंड में 9 लोगों की जान ले चुके हैं, जबकि 44 लोग मगरमच्छ के हमलों से घायल हुए हैं। लगातार घट रही इन जानलेवा घटनाओं के बाद भयग्रस्त ग्रामीणों ने सरकार और वन विभाग से प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

सोशल मीडिया पर भालू के हमले में महिला का चेहरा नोचा हुआ हृदय विदारक फोटो वायरल हो रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि आम आदमी के जीवन की कोई कीमत नहीं रह गई है। इस तरह के हमलों के कारण लोगों का घर से निकलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि इन क्षेत्रों में पिछले कुछ समय से भालू और गुलदार की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। ऐसे में संभावित क्षेत्रों में वन विभाग द्वारा गश्त बढ़ाई जाए। हमलावर वन्यजीवों को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए जाएं और मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। उत्तराखंड का गढ़वाल रीजन इस वक्त भालुओं के आतंक से भयभीत है। ये विशालकाय जानवर लोगों के ऊपर इस कदर हमला कर रहा है कि या तो लोग अपाहिज हो रहे हैं, या अंग-भंग हो रहे हैं या फिर जान गंवा रहे हैं। अपने शिकार को सूंघने में काफी शातिर ये शिकारी दबे पांव दिन और रात लोगों पर हमला कर रहा है। ताजा मामला पौड़ी गढ़वाल जिले का है।बीती 17 नवंबर (सोमवार) की सुबह पौड़ी गढ़वाल के बीरोंखाल ब्लॉक में एक भालू ने 40 वर्षीय लक्ष्मी देवी (पत्नी महिपाल सिंह) पर हमला कर उनको गंभीर रूप से घायल कर दिया। लक्ष्मी देवी हर रोज की तरह ही गांव के पास घास काटने गई थीं। उनके साथ गांव की तीन-चार अन्य महिलाएं भी थीं। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे भालू को वो देख न सकीं और भालू ने महिला पर अचानक हमला कर दिया। भालू का हमला इतना भयानक था कि महिला की हालत बेहद खराब हो गई थी। उनका चेहरा पूरी तरह खून से लथपथ था। महिला की दाईं आंख और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। हमला के दौरान अन्य महिलाएं चीखने लगी जिससे भालू जंगल में भाग लगा। मदद को पहुंचे ग्रामीणों ने लक्ष्मी देवी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीरोंखाल पहुंचाया। बेहतर उपचार के लिए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। वहीं 19 नवम्बर को उत्तराखंड के चमोली जिले के पोखरी ब्लॉक का पाव गांव की 42 वर्षीय रामेश्वरी देवी घास लेने जंगल गई थीं। जब शाम तक भी घर नहीं लौटीं, तो परिजन परेशान हुए, और गाँव वालों के साथ मिलकर ढूंढना शुरू किया लेकिन अंधेरा इतना हो गया था कि सर्च ऑपरेशन रोकना पड़ा। सुबह फिर ढूंढना शुरू किया तो महिला जंगल में 70-80 मीटर खड़ी ढलान पर एक पेड़ के नीचे, खून से लथपथ मिली। भालू ने पूरा चेहरा नोंच लिया था। शरीर के कई हिस्से बु-री तरह ज-ख्मी थे। रामेश्वरी देवी जिंदा थीं, लेकिन किस हाल में? पूरी रात भालू के हमले के बाद अकेली, दर्द में तड़पती हुई, डर से काँपती हुई गुजारी। किसी तरह पेड़ के पास छिपकर अपनी जान बचाई। महिला को पहले पोखरी सीएचसी पहुँचाया गया। हालत इतनी गं-भीर थी कि उन्हें तुरंत एम्स ऋषिकेश भेज दिया गया। चमोली जिले में इस साल अन्य वन्यजीवों की अपेक्षा भालू ज्यादा आक्रामक बना हुआ है। वन्यजीवों के हमले में इस वर्ष 25 लोग घायल हुए हैं जिनमें 12 हमले भालू के थे। मौजूदा समय में जिले के सभी क्षेत्रों में भालू की दहशत बनी है। सबसे ज्यादा भालू प्रभावित क्षेत्र ज्योतिर्मठ में सक्रिय है। यहां शाम होते ही भालू आबादी क्षेत्र में पहुंच रहा है। विकासखंड दशोली, पोखरी, नंदानगर, देवाल, थराली, कर्णप्रयाग क्षेत्रों में भी भालू सक्रिय है। भालू जिले में 30 से अधिक मवेशियों को भी मार चुका है। पिछले पांच वर्षों की तुलना में इस वर्ष भालू के हमले बढ़े हैं। 2022-23 में भालू ने 7 लोगों को घायल किया था जबकि इस वर्ष अभी तक वह 12 लोगों पर हमला कर चुका है। 2023-24 में भालू की सक्रियता बढ़ी थी। तब भालू ने 11 लोगों को जख्मी किया था जिनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग के पूर्व डीएफओ इंद्र सिंह नेगी का कहना है कि जंगल घट रहे हैं। भालू को जंगल में पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा है। शीतकाल में भालू शीत निंद्रा में चला जाता है। इस दौरान इनके शरीर को चर्बी चाहिए होती है। शीतनिंद्रा में जाने से पहले वह भोजन करता है। भालू 15 सितंबर से जनवरी माह तक सक्रिय रहता है। **सरकार की घास्यारी योजना का क्या हुआ?** पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में पहाड़ की कामकाजी महिलाओं को राहत देने के लिए पशुओं का चारा देने की योजना चलाई गई थी। लेकिन यह योजना धरातल पर कहीं भी नजर नहीं आ रही है। जंगल में पशुओं के लिए चारा लाने के लिए महिलाओं को अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ रही है। लोग कब तक अपनों को इस तरह खोते रहेंगे? कब तक भालू और गुलदार पहाड़ियों को अपना शिकार बनाते रहेंगे? कब तक प्रशासन सिर्फ सतर्क रहने की सलाह देता रहेगा? और सतर्क कैसे रहे भाई? घरों से बाहर ही न निकले अब? ये कोई पहली घटना नहीं है, और दुख की बात ये है कि आखिरी भी नहीं होगी। एक के बाद एक नाम जुड़ रहे हैं और आगे भी जुड़ते चले जाएँगे। पता नहीं अगली रामेश्वरी देवी कौन होगी? प्रदेश के करीब 490 गांवों में इन दिनों वन्यजीवों की दहशत फैली हुई है। बीते कुछ ही दिनों के भीतर कई लोग वन्य जीवों का शिकार हो चुके हैं। लोग खुद को न तो खेत-खलिहानों और न घरों में ही सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इन गांवों में वन्यजीव घरों में भी लोगों को मार चुके हैं इसके बावजूद वन महकमा मूकदर्शन बना हुआ है।

## कोटी गांव में गुलदार ने बुजुर्ग महिला को बनाया निवाला

श्रीनगर। श्रीनगर में खंडाह के समीपवर्ती कोटी गांव की एक 65 वर्षीय महिला को गुलदार ने निवाला बना लिया। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। इस दौरान ग्रामीणों ने गुलदार को आदमखोर घोषित कर तत्काल मारने की मांग की है। जानकारी के अनुसार, घटना करीब दोपहर बाद साढ़े तीन बजे की बताई जा रही है। कोटी गांव की गिन्नी देवी अपनी बहु व अन्य महिलाओं के साथ गांव के पास ही घास लेने गई थी। इसी दौरान घात लगाए बैठे गुलदार ने गिन्नी देवी पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि गुलदार उन्हें घसीटते हुए करीब 100 की दूरी तक ले गया। इस दौरान उसने उन पर गहरे जख्म कर दिए। साथ की महिलाओं द्वारा शोर किए जाने पर किसी तरह गुलदार ने गिन्नी देवी को छोड़ा। लोग जब घटनास्थल पर पहुंचे तो गिन्नी देवी की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्राम प्रधान करिश्मा देवी ने कहा कि इस क्षेत्र में गुलदार द्वारा महिला को मारने की घटना से ग्रामीण भयभीत हैं। बीते दिवस एक बछिया को भी गुलदार ने अपना निवाला बनाया था।उन्होंने गुलदार को आदमखोर घोषित कर तत्काल मारने की मांग की है। वन क्षेत्राधिकारी दिनेश नौटियाल ने बताया कि सूचना मिलते ही वन विभाग की पूरी टीम घटनास्थल पर पहुंच गई थी। सुरक्षा की दृष्टि पूरे क्षेत्र में गश्ती दल तैनात कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा आगे की कार्यवाही की जा रही है।

## जंगल अकेले न जाएं, झाड़ियों को काटें तकनीकी टीम सक्रिय करने के निर्देश

चमोली। पंचायती राज मंत्री सतपाल महाराज ने वन विभाग एवं पंचायतीराज विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। पर्वतीय क्षेत्रों में जंगली जानवरों के बढ़ते हमलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की और आमजन, विशेषकर बच्चों एवं ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायतों में उगी झाड़ियां जंगली जानवरों के छिपने का स्थान बन रही हैं। इसे देखते हुए पंचायत विभाग को मनरेगा के अनटाइड फंड से इन झाड़ियों के शीघ्र कटान के निर्देश दिए हैंवन क्षेत्राधिकारी नवल किशोर ने बताया कि महिला रामेश्वरी देवी को एक लाख रुपये मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों व खासकर महिलाओं से अपील की है कि जंगल अकेले न जाएं, जंगल में हल्ला मचाते हुए जाएं ताकि जानवर आसपास हो तो भाग जाए। खेतों में भी समूह बनाकर जाएं। रास्ते और खेतों के आसपास की झाड़ियों की सफाई कर लें। प्रभारी जिलाधिकारी/सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि वन विभाग के अधिकारियों को भालू प्रभावित क्षेत्रों में तकनीकी टीम सक्रिय करने के निर्देश दिए हैं। रात और सुबह की नियमित गश्त करने और जरूरी उपकरणों से लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

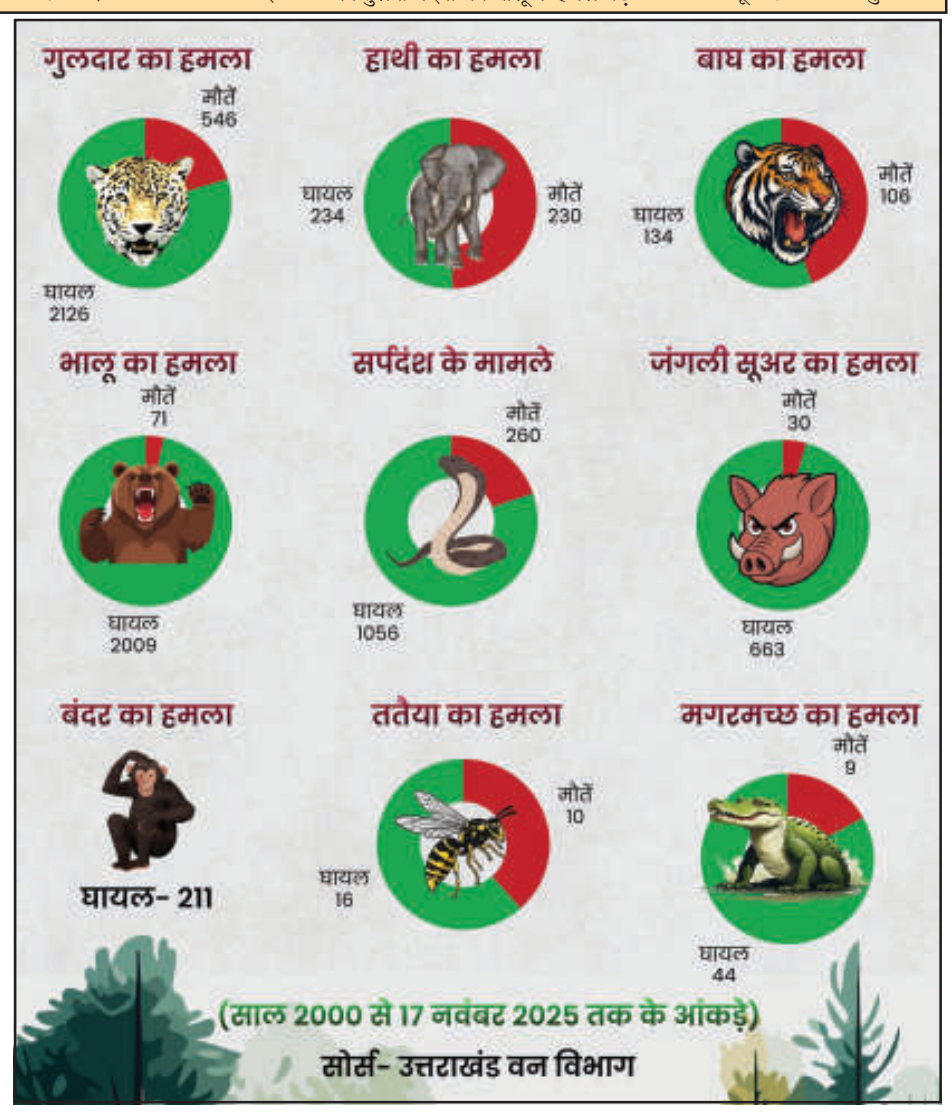

# सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा पाए जाने पर होगी कार्रवाई: डीएम

## सभी उपजिलाधिकारी नगरीय क्षेत्रों में टीम गठित कर अवैध अतिक्रमण को चिह्नित करते हुए तत्काल हटाएं

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। गुरुवार को जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने कैंप कार्यालय हल्द्वानी में जिले में स्वच्छता अभियान, शीतकालीन तैयारी, अवैध अतिक्रमण व अवैध खनन रोकथाम, होम स्टे योजना को लेकरके अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी नगर निकायों के अंतर्गत स्वच्छता अभियान के बारे में जानकारी लेते हुए उन्हें स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन किए जाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी निकाय अपने क्षेत्र को स्वच्छ बनाएं और स्वच्छता के मानकों की पूरा करने हेतु कार्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर आयुक्त तथा सभी अधिशासी अधिकारी प्रत्येक दिन नगर में सफाई व्यस्था सुनिश्चित कराने के साथ ही एक वार्ड का स्वयं निरीक्षण करेंगे। जिस भी क्षेत्र में गंदगी पाई जाती है उस क्षेत्र में तैनात सफाई निरीक्षण व पर्यावरण मित्र का तत्काल जवाब तलब करते हुए कार्यवाही सुनिश्चित करें। साथ ही जिलाधिकारी ने कहा कि जो सफाई कार्मिक/पर्यावरण मित्र लंबे समय से अपने क्षेत्र में कार्य ठीक ढंग से नहीं करता है व लापरवाही करता है उसे नियमानुसार सेवानिवृत्त करने अथवा सेवा से हटाने की कार्यवाही की जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक पर्यावरण मित्र व सफाई कर्मचारी को स्वच्छता कार्य में उपर्युक्त आवश्यक उपकरण के साथ ही मास्क, ग्लव्ज, बूट आदि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए जाए ताकि उन्हें कार्य करने में असुविधा न हो। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपनी जिम्मेदारी को समझें और नगरीय क्षेत्रों में नियमित सफाई व्यवस्था के साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर भी कार्य करें। इसके अलावा कूड़ा निस्तारण में भी निकाय पूरी तरह ध्यान दें। जिलाधिकारी ने कहा कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक इस शीतकाल में ठंड का प्रकोप बढ़ने की संभावना के मद्देनजर सभी रैन बसेरों में आवश्यक व्यवस्था के साथ ही नियमित अलावा जलाने हेतु जलौनी लकड़ी की व्यवस्था सहित निराश्रित लोगों को कंबल बांटने जैसी व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त कर लें। बैठक में जिलाधिकारी ने रामनगर स्लॉटर हाउस के संचालन के संबंध में उप जिलाधिकारी रामनगर को आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुए तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान में जनपद में सही रैंकिंग आए इस हेतु स्वच्छता के क्षेत्र में विशेष व अभिनव प्रयास किए जाएं। बैठक में जिलाधिकारी ने नगरीय क्षेत्रों में अतिक्रमण को चिह्नित करते हुए उसे तत्काल हटाए जाने के निर्देश सभी

उपजिलाधिकारियों सहित नगर आयुक्त हल्द्वानी को दिए। इस संबंध में उन्होंने कहा कि टीमों का गठन कर अतिक्रमण चिह्नकरण का कार्य शीघ्रता से किया जाए जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को हल्द्वानी नगर क्षेत्र में चौराहों के चौड़ीकरण कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए अवशेष चौराहों के चौड़ीकरण किए जाने व उनके सुधारीकरण कार्य को तत्काल किए जाने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। इस संबंध में जिलाधिकारी ने सिटी मजिस्ट्रेट हल्द्वानी, नगर आयुक्त व उप जिला अधिकारी हल्द्वानी को निर्देश दिए की जहां पर भी सड़क चौड़ी होनी है और वहाँ अतिक्रमण को हटाना है तो तत्काल उसे हटाते की कार्रवाई की जाय। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि बाजार में कहीं पर भी फुटपाथ, नाली आदि में अतिक्रमण हुआ है तो उसे भी शीघ्र चिन्हित कर एक अभियान के तहत उसे हटाऐं, ताकि आम जनता को परेशानी ना हो। इस दौरान जिलाधिकारी ने हल्द्वानी नगर में चौड़ीहुई सड़कों में से जहां-जहां विद्युत पोलों को शिफ्ट करना है उक्त कार्य यथाशीघ्र कराए जाने हेतु विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए साथ ही जिलाधिकारी ने कहा कि शीतकाल के मद्देनजर जिन क्षेत्रों में विद्युत ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाई जानी है,वहाँ तत्काल नए ट्रांसफर लगाया जाए व अतिरिक्त ट्रांसफार्मर भी स्टोर में रखे जाएं। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों एवं खान अधिकारी को नियमित रूप से खनन चुगान क्षेत्र में भ्रमण कर अवैध खनन को रोकने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।, उन्होंने कहा कि जिले में कहीं भी अवैध खनन की शिकायत प्राप्त नहीं होनी चाहिए उससे प्रशासन की छवि भी धूमिल होती है, अधिकारी अलर्ट रहकर कार्य करें ताकि अवैध खनन को पूर्णतया रोका जा सके। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पर्यटन विभाग से जिले में संचालित होम स्टे के संबंध में भी जानकारी लेते हुए कहा कि लोगों को स्वरोजगार से जोड़े जाने हेतु सरकार की यह एक महत्वपूर्ण योजना है उक्त योजना का लाभ पात्र व्यक्ति को मिले इस हेतु सभी उपजिलाधिकारी अपने क्षेत्र में संचालित हो रहे होम स्टे का स्थलीय निरीक्षण करें। जो होम स्टे मानकों में नहीं आते हैं अर्थात संबंधित स्वामी उसमें निवास नहीं कर रहा है और न ही पार्किंग की व्यवस्था है, ऐसे होम स्टे के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। जिलाधिकारी ने जिला पर्यटन अधिकारी को निर्देश है कि जिले में संचालित सभी होमस्टे में यहां की संस्कृति की झलक दिखे इस हेतु वहां स्थानीय महिला समूह के द्वारा तैयार उत्पादों को प्रदर्शित करने के साथ ही इन सभी होम स्टे में आने वाले पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति जानने के अवसर प्रदान कराएं। बैठक में जिलाधिकारी ने जिले में नए वेडिंग डेस्टिनेशन चिह्नित करने के साथ ही उनको विकसित करते हुए बृहद प्रचार प्रसार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने पर्यटन अधिकारी को जिले में शीतकालीन यात्रा के प्रोत्साहन के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दीए। बैठक में अपर जिला अधिकारी विवेक राय, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान, नगर आयुक्त परितोष वर्मा सहित सभी उप जिला अधिकारी, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# 89वां जन्मदिन पर डा.वाईएल नेने को याद किया

पंतनगर। विश्वविद्यालय में एशियन एग्री-हिस्ट्री फाउंडेशन (एएएचएफ) के फाउन्डर व चेयरमेन अर्न्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्वर्गीय डा. वाईएल नेने के 89वें जन्मदिन समारोह के उपलक्ष्य में डा. नेने की कर्मस्थली कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विभाग के डा. आर.एस. सिंह सेमिनार हॉल में महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. सुभाष चन्द्र की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस उपलक्ष्य में डा. राजीव कुमार, प्राध्यापक सस्य विज्ञान विभाग द्वारा स्वागत किया गया। एशियन एग्री-हिस्ट्री फाउंडेशन के सदस्य डा. ए. के. उपाध्याय, प्राध्यापक, पब्लिक हेल्थ एण्ड एपीडीमीलॉजी एवं कार्यकारी सचिव एएएचएफ व पादप रोग विभाग के विभागध्यक्ष डा. योगेन्द्र सिंह ने डा. नेने द्वारा कृषि जगत में आम व पादप रोगों के प्रबंधन में खास दी गई सेवाओं पर अपने-अपने विचार रखें। डा. नेने द्वारा भारत वर्ष की कृषि की समृद्ध विरासत को सर्वसाधारण विज्ञानिकों के मध्य पुन: स्थापित करने हेतु लगभग 22 वर्षो तक किये गये प्रयासों पर गंभीर चर्चाएं हुई। कार्यक्रम में एएएचएफ द्वारा वित्त पोषित विभिन्न विभागों के शोध र्थी एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता के छात्रों जिन्होंने वृक्षायुर्वेद आधारित प्राकृतिक खेती विषयक पर वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा प्राकृतिक खेती विषयक प्रषिक्षण सम्बधित प्रषिक्षकों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम में एएएचएफ द्वारा मुद्रित भारतीय कृषि विरासत का कालक्रम विषयक पर काफी टेबल पुस्तक का विमोचन विशिष्ठ अतिथियों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पीजी व पीएचडी के छात्र, छात्राएं, विभागाध्यक्ष,

संकाय सदस्य, विष्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. राजीव कुमार, प्राध्याप सस्य विज्ञान विभाग द्वारा किया गया व धन्यवाद प्रस्ताव डा. अमित के सरवानी, सहायक प्राध्यापक, सस्य विज्ञान विभाग द्वारा किया गया।

# आयरन लेडी इंदिरा गांधी को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वराज आश्रम में महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा एक भावपूर्ण स्मरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजनों ने इंदिरा जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट ने कहा कि इंदिरा गांधी की नीति, दृढ़ निश्चय और सेवा की भावना आज भी सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी का संपूर्ण जीवन संघर्ष, संकल्प और राष्ट्रहित में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों का प्रतीक रहा है, जो हर भारतीय को साहस, दिशा और राष्ट्रनिष्ठा की प्रेरणा देता है। उन्होंने अपने सशक्त नेतृत्व से भारत को आत्मविश्वास, स्थिरता और वैश्विक पहचान प्रदान की। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी की जयंती केवल स्मरण भर नहीं, बल्कि उनके सिद्धांतों और मूल्य आधारित राजनीति को आगे बढ़ाने का संकल्प करने का अवसर है। महिला कांग्रेस महानगर

अध्यक्ष मधु सांगूड़ी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को इंदिरा जी के निडरता, संघर्ष और निर्णय क्षमता से सीख लेनी चाहिए। उनका जीवन इस सत्य को सिद्ध करता है कि राष्ट्रहित सदैव सर्वोपरि होता है। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजनों ने इंदिरा जी के अदम्य साहस, प्रखर नेतृत्व, निर्णायक कार्यशैली और देश को मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनाने में किए गए उनके ऐतिहासिक योगदान को भावपूर्वक याद किया। वक्ताओं ने कहा कि इंदिरा गांधी न केवल भारत की सबसे सशक्त नेताओं में से थीं, बल्कि विश्व राजनीति में देश की प्रतिष्ठा को ऊँचे स्थान पर ले जाने वाली एक दूरदर्शी और प्रभावशाली व्यक्तित्व थीं। इस दौरान सभी ने उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया तथा सामाजिक सौहार्द, महिला सशक्तिकरण, गरीबी उन्मूलन, हरित क्रांति और राष्ट्र की एकता-अखंडता पर उनके योगदान को विस्तार से रेखांकित किया।कार्यक्रम में हेमन्त बगड़वाल, मलय बिष्ट, सतनाम सिंह चटवाल, राजेन्द्र उपाध्याय, जया कर्नाटक, राधा आर्य, रेनू तोमर, मंजू दानु, संदीप जोशी, गोविंद बगड़वाल, राजेन्द्र बिष्ट, विनोद कुमार पिन्नु, राजेन्द्र सुयाल, शाद अली, पार्षद धर्मवीर, मनोज बिष्ट, सुखेंद्र सिंह रावत, यूनुस अली, गोविंद सिंह बिष्ट, शंकर कोहली, मो. नबी, प्रकाश पुजारी, प्रदीप बिष्ट, कोमल जायसवाल, अमित रावत, भानु कबड़वाल, नफीस चौधरी, लक्की रावत, अरशद अली आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# बेस अस्पताल की दोनों खराब लिफ्ट को तुरंत ठीक करने के दिए निर्देश

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल, हल्द्वानी में खराब हुई दो लिफ्ट जल्द मरीजों के जाने लायक हो जाएंगी। इन खराब लिफ्ट को ठीक करने के निर्देश जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक बेस चिकित्सालय को दिए। ये लिफ्ट किडनी रोगियों की आवाजाही के लिए लगाई गई हैं। लेकिन इनके खराब होने से डायलिसिस को आने वाले मरीजों को सीढ़ियों से चढ़कर डायलिसिस को जाना पड़ता है। इस दौरान उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उक्त लिफ्ट खराब होने की बात संज्ञान में आने के तुरंत बाद ही जिलाधिकारी ने लिफ्ट को ठीक करने हेतु प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक के एस दताल के साथ ही विशेष तौर पर अपर जिलाधिकारी नैनीताल विवेक राय को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश साफ हैं कि स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर संवेदनशीलता बरती जाए। क्योंकि ये दोनों लिफ्ट किडनी जैसे रोगी जिनकी डायलिसिस होती है उनके लिए विशेष तौर पर लगाई गई हैं। इन लिफ्ट के खराब होने से डायलिसिस के लिए आने वाले मरीजों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इसलिए इनका तुरंत ठीक होना आवश्यक है। इस संबंध में अपर जिलाधिकारी विवेक राय ने बताया कि शुक्रवार को जिस कंपनी की लिफ्ट है उसे लिफ्ट रिपेयरिंग का वर्क ऑर्डर जारी कर दिया जाएगा। साथ ही यही कंपनी लिफ्ट का वार्षिक मेंटेनेंस का कार्य भी करेगी। इसमें बजट की व्यवस्था भी अस्पताल की प्रबंधन समिति के बजट से किया जाएगा।

# बाजपुर का सरकारी अस्पताल बन चुका है रेफरल एक्सप्रेस

## 98 प्रतिशत रोगियों को किया जा रहा रेफर, 3 वर्ष से नहीं हुए कोई ऑपरेशन ,चिकित्सक ने खोली पोल

बाजपुर। क्षेत्र के डॉक्टर ने स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर गंभीर सवाल खड़ा कर सरकार के राजकाज को कटघरे में खड़ा कर दिया। बाजपुर निवासी डॉक्टर सौरभ परमार ने सूबे के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री को संबोधित पत्र सोशल मीडिया के व्हाट्सएप ग्रुप में डाला है। वायरल शिकायती पत्र में बताया गया कि बाजपुर का सरकारी अस्पताल रेफरल एक्सप्रेस बन चुका है। यहां 98% रोगियों को रेफर करने का काम किया जा रहा है। पोस्टमार्टम भवन को सिस्टम की लाश का असली घर बताया गया। कहा की पोस्टमार्टम हाउस में सिस्टम का विच्छेदन होना चाहिए। ऑक्सीजन प्लांट सिर्फ तस्वीरों में चालू है धरातल पर पूरी तरह बंद है। स्वास्थ्य मंत्री की और नाकामियां गिनाते हुए शिकायतकर्ता डॉक्टर ने कहा कि सर्जन डॉक्टर ना होने के कारण पिछले 3 वर्षों से ऑपरेशन ठप है। अस्पताल में उपचार के नाम पर रोगियों से दुर्व्यवहार की शिकायत है। आरोप है कि स्वास्थ्य मंत्री द्वारा जब भी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया जाता है पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता सच्चाई छुपाने की दीवार बन जाती है। कैमरों की चमक जिंदाबाद मुर्दाबाद के नारे और चापलूसी के बीच अस्पताल की बदहाली दम तोड़ देती है। तल्ख लहजे में यह भी कहा कि सरकार सिर्फ भाषणों में चमकदार दिख रही है जबकि हकीकत को आम जनता ने बाखूबी समझ लिया। शिकायतकर्ता डॉक्टर ने प्रेषित पत्र में अपील किया है कि अगली बार जब कभी मंत्री जी अस्पताल का मुआयना करने आए तो उन्हें अकेले आना चाहिए ताकि आंख पर पड़ा पर्दा हट सके।

### वेंटिलेटर पर है एलडी भट्ट राजकीय चिकित्सालय

काशीपुर का सरकारी अस्पताल भी स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर हाशिए पर है। अस्पताल के गेट पर एंबुलेंस की मंडी लगती है। जानकारों की माने तो प्राइवेट अस्पताल की एंबुलेंस को हॉस्पिटल कैंपस में परमानेंट तरीके से खड़ा कराया जा रहा है। रोगियों के साथ दुर्व्यवहार एवं विभिन्न तरीकों से उनका दोहन अस्पताल की नियती बन चुका है। बताया गया कि अस्पताल परिसर में पूरे समय दलाल सक्रिय रहते हैं। प्राइवेट अस्पतालों से तगड़ी सांठ-गांठ गांठ के कारण गंभीर रोगियों एवं एक्सीडेंटल मामलों को मोटे कमीशन के लालच में रेफर करने का काम किया जा रहा है। सूत्रों ने यह भी बताया कि ओपीडी में बैठे डॉक्टर स्वास्थ्य महकमे के नियम कायदों की धज्जियां उड़ाते हुए धड़ल्ले से बाहर की दवाइयां प्रिसक्राइब कर रहे हैं। इसके साथ ही दूर दराज से आने वाले रोगियों को महंगी जांचों के लिए बाहर भेजा जा रहा है।

# काशीपुर में खूब फल फूल रहा सफेद जहर का काला कारोबार

## हजारों लीटर नकली दूध मावा पनीर की रोजाना हो रही खपत सवालों के घेरे में आयी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की भूमिका

काशीपुर(उद संवाददाता)। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की गलत नीतियों के कारण जिले में गंभीर बीमारियों को लेकर संशय की स्थिति पैदा हो गई है। जसपुर बाजपुर केलाखेड़ा के हालात बद से बद्तर हो चुके हैं। काशीपुर में एमपी चौक के करीब, जसपुर खुर्द व पटेल नगर में चल रही मिष्ठान की नामी गिरामी दुकानों में मिठाइयों की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। अभी कुछ समय पूर्व जसपुर खुर्द स्थित एक मिठाई की दुकान घटिया मिष्ठान को लेकर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में रही। हालांकि बाद में मामला दबा दिया गया। इसी तरह संगठनात्मक जनपद में लंबे समय से नकली दूध दही व पनीर के रूप में सफेद जहर का गैर कानूनी कारोबार खूब फल फूल रहा है। सूत्रों की माने तो खाद्य सुरक्षा अधिकारियों का ऐसे कारोबारियों से हफ्ता फिक्स है। यदि वास्तविकता यही है तो सरकार को अविलंब संज्ञान लेते हुए भ्रष्ट अधिकारियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही करनी चाहिए। जानकारी के मुताबिक यूपी के मुरादाबाद संभल रामपुर आदि इलाकों से समूचे उत्तराखंड में प्रतिदिन लाखों रूपयों के नकली दूध दही पनीर की खपत की जा रही है। सफेद जहर के कारोबारियो ने इसकी जड़े पहाड़ तक फैला दी है। अकेले जसपुर काशीपुर और बाजपुर की बात करें तो प्रतिदिन लाखों लीटर नकली दूध मावा पनीर की खपत की जा रही है। शहर की नामी गिरामी मिठाई की दुकानों पर इसी नकली माल से मिठाइयां तैयार किए जाने की सूचना है। इसी तरह दूध की डेरियों पर भी सफेद जहर का काला कारोबार संबंधित विभाग के अधिकारियों के संरक्षण में खूब फल फूल रहा है। जनपद उधम सिंह नगर में मिलावटी खाद्यान्न के सेवन से लगातार लोग गंभीर बीमारियों को लेकर संशय की स्थिति में हैं। जन चर्चा है कि होली अथवा दीपावली जैसे प्रमुख त्योहारों पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी दो चार स्थानों पर छापामार कार्यवाही कर अपनी पीठ आप थपथपाने का काम कर रहे हैं बाकी साल के 12 महीने नजराना वसूल किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दायित्वों को लेकर किस हद तक सजग है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिले भर में दर्जनों की तादात में कतिपय लोग बगैर लाइसेंस टिफिन सर्विस के कारोबार से जुड़े हैं लेकिन आज तक खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने इनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की। यहां तक की शिकायत करने पर भी खाद्य सुरक्षा अधिकारी संज्ञान लेने से परहेज कर रहे हैं। काशीपुर में एक दम्पति ने टिफिन सर्विस के प्रचार प्रसार को लेकर क्षेत्र भर दर्जनों फ्लेक्स विभिन्न स्थानों पर चस्पा कर दिये। विश्वस्त सूत्रों की माने तो इन्हें विभाग से कोई लाइसेंस आदि निर्गत नहीं किए गए हैं।

# रोटरी क्लब ने कन्या इंटर कॉलेज में छात्राओं को वितरित किए गर्म वस्त्र

रुद्रपुर। रोटरी क्लब रुद्रपुर ने सामाजिक उत्तरदायित्व की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए समुदाय में गर्माहट और सहयोग का संदेश फैलाने के उद्देश्य से एक विशेष सेवा परियोजना का सफलतापूर्वक आयोजन किया। क्लब के सदस्यों ने सनातन धर्म कन्या इंटर कॉलेज, रुद्रपुर का दौरा कर यहाँ की मेधावी छात्राओं को सर्दियों की पोशाकें वितरित कीं, ताकि वे ठंड के मौसम में सुरक्षित और आरामदायक रह सकें तथा अपनी पढ़ाई पर और बेहतर ध्यान केंद्रित कर सकें। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के चेहरों पर झलकती खुशी और आत्मविश्वास ने

पूरे आयोजन को सार्थक बना दिया। क्लब के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षा तभी फलती-फूलती है जब बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हों, और रोटरी क्लब भविष्य की इन उभरती प्रतिभाओं के समग्र विकास में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। रोटरी क्लब रुद्रपुर ने इस सफल आयोजन के लिए अपने सभी सदस्यों, दानदाताओं और सनातन धर्म कन्या इंटर कॉलेज के प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

# राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में चमका चाणक्य लॉ कॉलेज

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय वादख्विवाद प्रतियोगिता में चाणक्य लॉ कॉलेज ने एक बार फिर अपना परचम लहराया है। कॉलेज की प्रतिभाशाली छात्राएँ अदीबा अंसारी और शांभवी सिंह ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा संस्थान का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में कुल आठ कॉलेजों की टीमें शामिल हुई थीं। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच चाणक्य लॉ कॉलेज की टीम ने अपने सशक्त तर्कों, प्रभावशाली प्रस्तुति और संतुलित वक्तृत्व कौशल से निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। छात्राओं के तार्किक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास भरे वक्तव्य ने उन्हें प्रतिस्पर्धा में विशिष्ट स्थान दिलाया। इस उपलब्धि पर कॉलेज के चेयरमैन श्री एस. पी. सिंह ने विजेता छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत और संस्थान के उत्कृष्ट अकादमिक माहौल का परिणाम है। कॉलेज के मैनेजिंग डायरेक्टर रविंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि युवा पीढ़ी की प्रतिभा को पहचानना और उसे आगे बढ़ने का अवसर देना कॉलेज की प्राथमिकता है। उन्होंने छात्राओं के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा आप दोनों ने अपने उल्लेखनीय प्रयासों से संस्थान का मान बढ़ाया है। चाणक्य परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. दीपाक्षी जोशी ने भी विजेता छात्राओं को सम्मानित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे संस्थान के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच छात्रों के व्यक्तित्व विकास, तार्किक सोच और आत्मविश्वास को मजबूत बनाते हैं। इस सफलता पर कॉलेज के सभी शिक्षकगण-सलीम अहमद, अनिल कुमार, डॉ. आयशा अमीन, डॉ. हरकमल कौर, डॉ. रुबीना सुल्तान, प्रतिभा सिंह, मनप्रीत कौर, उपासना तिवारी, आकांक्षा रघुवंशी, सिद्धि अग्रवाल, हिमानी फुलारा एवं वर्णिका वर्मा ने गर्व व्यक्त किया और छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

# दिव्यांग बालिका की शिक्षा व कौशल विकास हेतु डीएम ने लिया अहम निर्णय

नैनीताल(उद संवाददाता)। जिला अधिकारी ललित मोहन रयाल ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए भवाली-निगलाट क्षेत्र की एक दिव्यांग मूकबधिर बालिका की शिक्षा, देखभाल और समुचित विकास सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। बालिका और उसके परिजनों द्वारा दायर याचिका पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए सीमित संरक्षक नियुक्त करने का आदेश जारी किया है। परिवार की ओर से न्यायालय में प्रस्तुत अनापत्ति प्रमाण पत्र के आधार पर इंदौर निवासी मनीषा चौधरी को सीमित संरक्षक बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि बालिका पूर्व में भी उनके संरक्षण में रहकर अपनी शिक्षा प्राप्त कर चुकी है, जिससे बालिका के लिए निरंतरता और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो सकेगा। जारी आदेश के अनुसार सीमित संरक्षक की भूमिका पूरी तरह से बालिका की शिक्षा, चिकित्सा देखभाल, दैनिक संरक्षण, विशेष सहायता, प्रशिक्षण, परवरिश, कौशल विकास और समग्र कल्याण से जुड़े निर्णयों तक सीमित रहेगी। यह व्यवस्था बालिका को आवश्यक सहयोग प्रदान करते हुए उसकी पढ़ाई और विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने में सहायक होगी। जिलाधिकारी रयाल के इस निर्णय की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है।

# गूलरभोज सहकारी समिति में श्रद्धा गंभीर निर्विरोध बनी अध्यक्ष

गूलरभोज। दीर्घाकार बहुउद्देशीय सहकारी समिति के चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी श्रद्धा गंभीर निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुईं। श्रद्धा गंभीर जिला दुग्ध संघ के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता तिलक राज गंभीर की पुत्रवधू हैं। उनके निर्विरोध चुने जाने के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल देखा गया।श्रद्धा गंभीर की जीत को तिलक राज गंभीर के लंबे अनुभव और क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ का परिणाम माना जा रहा है। तिलक राज गंभीर वर्ष 1991 से सहकारी समिति से जुड़े हुए हैं, और समिति के सभी चुनाव उनके नेतृत्व में ही लड़े जाते रहे हैं। इस बार भी उनके मार्गदर्शन और संगठनात्मक रणनीति ने पैनल को निर्विरोध विजय दिलाई।समिति के उपाध्यक्ष पद पर योगेंद्र सिंह भी निर्विरोध चुने गए। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद गूलरभोज बाजार में समर्थकों द्वारा जुलूस निकाला गया और मिठाइयाँ बांटकर जीत का जश्न मनाया गया।

# किच्छा व रुद्रपुर कर सहकारी समितियों में लहराया भाजपा का परचम

## पूर्व विधायक शुक्ला ने किया निर्वाचित उम्मीदवारों का स्वागत

किच्छा/रुद्रपुर। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला की कुशल रणनीति के चलते सहकारिता चुनाव में किच्छा व रुद्रपुर क्षेत्र की सभी किसान सेवा सहकारी समितियों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित समस्त संचालक निर्विरोध चुने गए। चुनाव परिणामों में नारायणपुर किसान सेवा सहकारी समिति लिमिटेड अध्यक्ष नरेंद्र ठुकराल, उपाध्यक्ष पुष्पा पाठक, दक्षिणी किच्छा किसान सेवा सहकारी समिति लिमिटेड: अध्यक्ष मंजू रावत, उपाध्यक्ष हंसराज अरोरा, पूर्वी किच्छा किसान सेवा सहकारी समिति लिमिटेड बरा: अध्यक्ष अमरजीत कौर, उपाध्यक्ष हरीश कुमार, शांतिपुरी किसान सेवा सहकारी समिति: अध्यक्ष मोहन सिंह रावत, उपाध्यक्ष राधिका देवी, पूर्वी रुद्रपुर किसान सेवा सहकारी समिति बगवाड़ा: अध्यक्ष जसवीर सिंह, उपाध्यक्ष मनमोहन यादव, फौजी मतकोटा किसान सेवा सहकारी समिति: अध्यक्ष ज्ञान सिंह चौहान उपाध्यक्ष सुमन धामा निर्विरोध निर्वाचित हुई। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने क्षेत्र के सभी निर्वाचित उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं सहकारिता मंत्री धन सिंह रावत द्वारा सहकारिता क्षेत्र में किए जा रहे ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व सुधारों से प्रभावित होकर किसानों ने भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को पूर्ण समर्थन दिया है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ किसानों तक पहुँचा है, जिसके परिणामस्वरूप आज सभी समितियों में निर्विरोध चुनाव संपन्न होना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि लोकसभा, नगर पालिका, पंचायत चुनावों के बाद अब सहकारिता चुनाव में भी भाजपा का परचम कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और जनता के विश्वास के बल पर शान से लहराया है। यह जीत किसान हित और विकास के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता को फिर सिद्ध करती है। कांग्रेस पर प्रहार करते हुए पूर्व विधायक ने कहा कि सहकारिता चुनाव में कांग्रेस कहीं भी दिखाई नहीं दी। जनता अब कांग्रेस के दुष्प्रचार और भ्रांतियाँ फैलाने के एजेंडे को समझ चुकी है। किसानों ने कांग्रेस को पूरी तरह नकार दिया है, और यह निर्विरोध चुनाव इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। पूर्व विधायक ने क्षेत्र के सभी किसानों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को इस ऐतिहासिक विजय पर हार्दिक बधाई दी। इस दौरान मंडल अध्यक्ष मयंक तिवारी, संदीप अरोड़ा, मनमोहन सक्सेना, राजेश कोली, कृष्णा कान्हा तिवारी, राज गगनेजा, नारायण पाठक, नरेंद्र मणि त्रिपाठी, मधुलेश तिवारी, शशिकांत शर्मा, खेमकरण कश्यप, परविंदर सिंह, ग्राम प्रधान छत्रपाल कश्यप, नरेंद्र बागवानी, विजेंद्र यादव, गफ्फार खान, नरेंद्र गंगवार समेत सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने निर्वाचित पदाधिकारी को बधाई दी।

# स्वस्थ और नशामुक्त समाज के लिए एकजुटता का आह्वान

## नशे के खिलाफ समाजसेवी सुशील गावा की मुहिम को मिल रहा लोगों को भारी समर्थन

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। 'रूद्रपुर अगेंस्ट ड्रग्स' अभियान के तहत समाजसेवी सुशील गावा ने वार्ड 37 दरिया नगर में आयोजित जनजागरूकता कार्यक्रम के दौरान कहा कि नशा आज के समाज की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है। यह केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समुदाय और आने वाली पीढ़ियों को प्रभावित करता है। ऐसी स्थिति में यदि जनता बिखरी रहे, अलग-अलग प्रयास करे या चुप बैठी रहे, तो नशे जैसी गहरी जड़ पकड़ चुकी बुराई को मिटाना लगभग असंभव हो जाता है। इसलिए नशे के खिलाफ जनता की एकजुटता सबसे बड़ा हथियार है।जागरूकता बैठक का आयोजन समाजसेवी हरमीत रंधावा की अध्यक्षता तथा जगदीश तनेजा के संचालन में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित मातृशक्ति, युवाशक्ति एवं वरिष्ठ नागरिकों नें एकजुट होकर सूखे नशे को वार्ड से बाहर खदेड़नें का संकल्प लिया गया। बैठक को सबोंधित करते हुए रूद्रपुर अगेंस्ट ड्रग्स के संयोजक समाजसेवी सुशील गाबा ने लोगों से एकजुट होने की अपील करते हुये कहा कि एकजुटता से नशे के व्यापारियों पर सामाजिक दबाव बढ़ता है। जब पूरा समुदाय एक स्वर में नशे का विरोध करता है, तो गलत काम करने वाले तत्त्व डरते हैं। उन्हें समझ आता है कि समाज अब चुप नहीं है। यह दबाव कई बार प्रशासन से भी ज्यादा असर दिखाता है, क्योंकि जनता की निगरानी किसी भी अपराध को पनपने नहीं देती।समाजसेवा जगदीश तनेजा नें कहा कि एकजुटता से सरकार और प्रशासन भी कदम उठाने को मजबूर होते हैं। जब जनता मिलकर आवाज उठाती है, तो नीति-निर्माताओं, पुलिस और प्रशासन का ध्यान इस समस्या पर जाता है और वे सख्त कदम उठाते हैं। अकेले व्यक्ति की मांग दब सकती है, लेकिन एक संगठित समाज की मांग को अनसुना नहीं किया जा सकता।मजदूर नेता दीपक विश्वास ने कहा कि जनता की एकजुटता नशा छोड़ चुके लोगों के लिए आत्मविश्वास और सहारा बनती है। वे समाज से मिलने वाली सहानुभूति, सहयोग और सम्मान के कारण दोबारा नशे में जाने से बचते हैं। वहीं परिवारों को भी मानसिक ताकत मिलती है। पूर्व पार्षद फुदेना साहनी ने कहा कि जनता की एकजुटता इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि नशा केवल एक व्यक्ति का संकट नहीं यह पूरे समाज का सामूहिक संघर्ष है। यदि लड़ाई सबकी है, तो जीत भी तभी होगी जब सब साथ होंगे। छात्रनेता हैप्पी रंधावा नें कहा कि हम सब दरियानगर के लोग ष्रूद्रपुर अगेंस्ट ड्रग्स मिशन के तहत बूथ कमेटी का गठन भी शीघ्र किया जायेगा, जिसमें सभी वर्गों व मातृशक्ति को दायित्व सौपं कर नशे की रोकथाम की जायेगी। द्रपुर अगेंस्ट ड्रग्स मिशनष्से हम जुड़कर अपने वार्ड क नशे के जंजाल से छुटकारा दिलानें को संकल्पबद्ध है। इस दौरान राधे श्याम प्रसाद, सुग्रीव गुप्ता, नंद लाल शर्मा, पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष जावेद अख्तर, पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्षा नेहा सामंत, पूर्व छात्र संघ उपसचिव गौरव शुक्ला आदि, अजय श्रीवास्तव, संजय गुप्ता, रामनाथ कश्यप, पूरन चन्द्र सनवाल, चन्द्रशेखर लोहनी, सुमित बजाज, अन्सब पाशा, सागर कालरा, विशाल, विराट, मनीष, तरूण नेगी, करन कुमार, सन्तोष कुमार, शंकर सरकार, सोनू भाकुनी, अशोक कुमार, राखी, दीपक पाण्डेय, पाठक जी, राजू प्रसाद, रवि शर्मा, मोना मैसी, राखी विश्वास, उर्मिला साहनी, कंचन विश्वास, चंपा लोहनी, आशा सरकार, मीनू मैसी समेत बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

# जी.डी.गोयनका स्कूल का वार्षिकोत्सव कल

## "नवांकुर विजन फॉर 2030" थीम पर केंद्रित होगा कार्यक्रम

रूद्रपुर। जी.डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, डिब्डिबा में आगामी वार्षिक उत्सव 'वाइब्रेशन्स 3.0' का भव्य आयोजन 22 नवंबर को किया जाएगा। विद्यालय परिसर में अपराह्न 3 बजे से आरंभ होने वाले इस समारोह को लेकर वातावरण में उत्साह और तैयारियों की हलचल पहले से ही देखी जा रही है। इस वर्ष उत्सव का विषय "नवांकुर ख्र विजन फॉर 2030" निर्धारित किया गया है, जो भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों में सृजनशीलता, संवेदनशील दृष्टिकोण और सतत विकास के संकल्प को रेखांकित करता है। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि यह थीम छात्रों को आने वाले दशक की चुनौतियों और संभावनाओं के प्रति जागरूक करेगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में

प्रसिद्ध फिल्म एवं टेलीविजन अभिनेता तरुण खन्ना शिरकत करेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि निपुण गोयनका, प्रबंध निदेशक जी.डी. गोयनका ग्रुप होंगे। वार्षिक उत्सव में विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी। नृत्य, संगीत, नाट्य तथा शिक्षाप्रद कार्यक्रमों की आकर्षक झलकियाँ अभिभावकों और अतिथियों को एक रोमांचक अनुभव प्रदान करेंगी। "वाइब्रेशन्स 3.0" विद्यार्थियों की रचनात्मकता, उनकी उपलब्धियों और गोयनकन ऊर्जा का उत्सव बनने जा रहा है। विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक गण और विद्यार्थी उत्सव की तैयारियों में पूरे उत्साह से जुटे हुए हैं। प्रबंधन के अनुसार यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा का प्रदर्शन होगा, बल्कि अभिभावकों के लिए भी एक अविस्मरणीय सांस्कृतिक संध्या साबित होगा।

# हल्द्वानी में हुए बवाल में भाजयुमो नेता विपिन गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। उजाला नगर और पीलीकोठी क्षेत्रों में हाल ही में भड़के उपद्रव के बाद पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। 16 नवंबर की रात पशु अवशेष मिलने के बाद फैले तनाव और हंगामे के मामले में पुलिस द्वारा बीडीसी सदस्य के पति और पूर्व भाजयुमो नेता विपिन चंद्र पांडे को हिरासत में लिया गया है। इस प्रकरण में अब तक कुल पांच आरोपी हिरासत में लिए जा चुके हैं। मामले के विवेचक रोहिताश सागर द्वारा ने विपिन पांडे से करीब पांच घंटे तक गहन पूछताछ की। जबकि कोतवाली परिसर में सुरक्षा बढ़ाते हुए कई थानों और चौकियों से अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। इस दौरान कोतवाली के बाहर उनके समर्थकों और परिजनों की भीड़ जुटने लगी। जिसे कोतवाल अमरचंद शर्मा ने तुरंत हटाने के निर्देश दिए ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था न फैल सके। इधर, 20 नवंबर को हुई कार्यवाही की पुष्टि एसपी सिटी मनोज कत्याल ने की है। पुलिस के अनुसार विपिन चंद्र पांडे, पुत्र मथुरा दत्त पांडे, निवासी पूरनपुर नैनवाल, कमलवागांजा, थाना मुखानी कई पुराने मामलों की जांच के दायरे में थे।

# पेंचक सिलाट लीग में जनपद उधमसिंहनगर रहा प्रथम

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। पेंचक सिलाट एसोसिएशन उत्तराखंड और खेल विभाग उत्तराखंड के नेतृत्व में असमिता खेलो इंडिया पेंचक सिलाट लीग 2025 का आयोजन 18 से 19 नवंबर को देहरादून स्थित युवा केंद्र आमवाला में किया गया।पेंचक सिलाट एसोसिएशन उत्तराखंड के महासचिव बबलू दिवाकर ने बताया कि यह प्रतियोगिता खेलो इंडिया, भारत सरकार के अंतर्गत स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा चलाई जा रही एक महत्वपूर्ण योजना है। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि डिप्टी स्पोर्ट्स डायरेक्टर उत्तराखंड शक्ति सिंह ने सभी गर्ल्स खिलाड़ियों को अपना आशीर्वाद दिया। इस प्रतियोगिता में उत्तराखण्ड के करीब 8 जनपदों की 140 बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के विशिष्ट अतिथि जूडो खिलाड़ी सविता गुरंग जिन्होंने एशियन चौंपियनशिप में कांस्य पदक जीता, वर्ल्ड यूनिवर्सिटी में भागीदारी की और 2007-2019 तक लगातार नेशनल चौंपियन रहीं तथा जूडो खिलाड़ी प्रदीप रावत जिन्होंने एशियन चौंपियनशिप में भागीदारी की थी थे।प्रतियोगिता के समापन अवसर पर डिप्टी डायरेक्टर खेल एवं युवा कल्याण विभाग शक्ति सिंह द्वारा सभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।प्रतियोगिता में सबसे अधिक पदक अर्जित करके उधम सिंह नगर जनपद प्रथम, देहरादून द्वितीय और नैनीताल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रदेश के समस्त कोच एवं खेल प्रेमी मौजूद रहे। जिनमें निखिल भारती, महेंद्र, पूजा मेहर, तनुजा बूँगला, ईशू भारती, चेतन प्रजापति, बृजेश राजपूत, रोहित पाल, अंकित सिंह, रितिक कुमार, किशन सिंह चौहान, दीपक, सारिका पटेल, आशीष बिष्ट, कार्तिक पटेल, यशोधन राणा, कंचन पटेल, तनीषा पटेल, कार्तिकेय बडोला, सत्यम बडोला आदि शामिल थे।

# महिला किसानों को सब्सिडी पर बांटे मशरूम उत्पादन बैग

बाजपुर (उद संवाददाता)। मधुबन स्वायत्त सहकारिता बरहैनी बाजपुर की अध्यक्ष सुश्री उमा जोशी के द्वारा उद्यान विभाग की सहयोगिता के तहत ग्रामीण महिला किसानों को अस्सी प्रतिशत की सब्सिडी के माध्यम से एक हजार मशरूम उत्पादन बैगों का वितरण किया गया। इस मौके पर मधुबन सहकारिता की अध्यक्ष उमा जोशी द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न योजनाओं का शुभारम्भ किया है। जिससे महिलाओं को आर्थिक मजबूती प्रदान हो रही है। जिसमें उद्यान विभाग के विकासखंड प्रभारी केएल सागर, सहकारिता प्रमोटर्स श्रीमती निशा रावत, एफपीओ के सीईओ विकुज सहित लाभार्थी महिलाएं सम्मिलित थी।

# शांति व्यवस्था भंग कर रहे तीन लोग गिरफ्तार

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैम्प थाना पुलिस द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग कर रहे तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार 19 नवम्बर को थाना प्रभारी निरीक्षक मोहन चन्द्र पाण्डे के नेतृत्व मे थाना पुलिस टीम द्वारा थाना ट्रांजिट कैम्प गेट पर अभियुक्त गुड्डू गंगवार पुत्र भूपराम, हरपाल पुत्र भूपराम निवासीगण ग्राम सपौरा थाना बीसलपुर जिला पीलीभीत हाल दुर्गा मन्दिर वार्ड एक थाना ट्रांजिट कैम्प व सूरज अधिकारी पुत्र प्रदीप अधिकारी निवासी वार्ड 2, सी ब्लाक, ट्रांजिट कैम्प आपस में गाली गलौज करते हुए मारपीट कर रहे थे। पुलिस द्वारा उक्त दोनो पक्षो को काफी समझाने का प्रयास किया गया तो और भी उतेजित होकर लड़ने को उतारू हो रहे थे। जिस पर पुलिस ने एक पक्ष के गुड्डू गंगवार , हरपाल व दूसरे पक्ष के सूरज अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अकरम अहमद व अपर उपनिरीक्षक हृदयेश परिहार शामिल थे।

# सड़क सुधारीकरण के लिए किया संयुक्त निरीक्षण

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। तीन पानी से नारिमन तक सड़क सुधारीकरण हेतु संयुक्त निरीक्षण किया गया। जिसमें अवस्थापनाओं की शिफ्टिंग के साथ अतिक्रमण किए गए क्षेत्रों को भी चिन्हित कर हटवाने का निर्णय लिया गया। अतिक्रमण हटाने हेतु कमेटी द्वारा शीघ्र चिन्हीकरण कर अतिक्रमण को हटवाने का कार्य किया जाएगा। अवस्थापनाओं के शिफ्टिंग करवाने का भी निर्णय लिया गया। यूयूएसडीए द्वारा इस कार्य को शीघ्र ही प्रारंभ किए जाने में अवगत कार्य गया। नगर निगम, राजस्व, सिंचाई, विद्युत विभाग, जल संस्थान, लोनिवि एवं यूयूएसडीए की टीमों द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया गया।संयुक्त निरीक्षण में नगर आयुक्त परितोष वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान तथा यूयूएसडीए के प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह आदि उपस्थित रहे।

# उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

## अंगदान और प्रत्यारोपण

अंगदान से किसी को भी नया जीवन दिया जा सकता है, इसलिए इसे महादान कहा जाता है। यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। मगर भारत में अंगदान और प्रत्यारोपण की प्रक्रिया में चुनौतियां भी कम नहीं हैं। दानदाताओं की कमी और बुनियादी व्यवस्था का अभाव सबसे बड़ा संकट है। समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सरकारी प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं।दूसरी ओर, अंगदान की वैधता और गैर वैधता को लेकर कानून बनाया गया है, लेकिन यह देश के तमाम राज्यों में न तो समान रूप से लागू हो पाया है और न ही इस पर कड़ाई से अमल हो पा रहा है। यही वजह है कि अब सर्वोच्च न्यायालय ने अंगदान और इसके आबंटन एवं प्रत्यारोपण के लिए एक पारदर्शी और सक्षम प्रणाली बनाने के लिए केंद्र सरकार को राज्यों के परामर्श से एक राष्ट्रीय नीति तथा समान नियम बनाने के निर्देश दिए हैं। शीर्ष अदालत ने अंगदान करने वालों को शोषण और उत्पीड़न से बचाने के वास्ते हर स्तर पर पुख्ता बंदोबस्त करने के लिए भी कहा है।देश में मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 में मौजूदा समय के हिसाब से संशोधन किए गए हैं। मगर कुछ राज्यों ने इन संशोधनों पर अभी तक अमल नहीं किया है। इनमें आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और मणिपुर जैसे कई राज्य शामिल हैं। इससे स्पष्ट है कि अंगदान और प्रत्यारोपण को लेकर विभिन्न राज्यों के नियमों में समानता नहीं है। इसका खमियाजा न केवल अंगदाताओं, बल्कि प्रत्यारोपण का इंतजार करने वाले मरीजों को भी भुगतना पड़ता है। शीर्ष अदालत ने नई नीति में अंग प्रत्यारोपण के लिए आदर्श आबंटन मानदंड निर्धारित करने को कहा है। साथ ही इस बात को भी रेखांकित किया है कि इसमें लिंग और जातिगत पूर्वाग्रह के मुद्दों पर ध्यान दिया जाना चाहिए और राज्यवार विसंगतियों को समाप्त करने के लिए अंगदाताओं के वास्ते एक समान नियम तय किए जाएं। अंगदान में कमी और प्रत्यारोपण से जुड़ी समस्याओं के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। इनमें जागरूकता की कमी, पारिवारिक सहमति का अभाव, नैतिक एवं सांस्कृतिक बाधाएं, विशेष चिकित्सा पेशेवरों की कम उपलब्धता, सीमित बुनियादी व्यवस्थाएं और अंगों की कालाबाजारी शामिल हैं। केंद्र सरकार की एक रपट के मुताबिक, देश में अंग प्रत्यारोपण की संख्या वर्ष 2013 में 4,990 से बढ़कर 2023 में 18,378 हो गई, फिर भी अंगदान की दर प्रति दस लाख जनसंख्या पर एक से भी कम है। इससे साफ है कि लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करने के वास्ते व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। साथ ही अंगों की कालाबाजारी कर मुनाफा कमाने की गतिविधियों पर भी पूरी तरह रोक लगानी होगी। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि जरूरतमंद का वैध तरीके से ही अंग प्रत्यारोपण हो और किसी अंगदाता के साथ धोखाधड़ी या उसका उत्पीड़न न हो।

# प्रशासनिक अधिकारी सम्मेलन में हुआ विकसित उत्तराखंड पर मंथन

## सुधार के संभावित क्षेत्रों का दिया गया प्रस्तुतीकरण

देहरादून (उद संवाददाता)।वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार सचिवालय देहरादून में दो दिवसीय प्रशासनिक अधिकारी सम्मेलन प्रारम्भ हुआ। उत्तराखंड सरकार ने आज अपनी दीर्घकालिक विकास प्राथमिकताओं को पुनः रेखांकित करते हुए नीति-निर्माताओं, वरिष्ठ प्रशासकों और जिला अधिकारियों को विकसित उत्तराखंड/2047 के रोडमैप को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ लाया।

अपने उद्घाटन संबोधन में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने एओसी को क्षेत्रीय अधिकारियों और नीति-निर्माताओं के बीच प्रत्यक्ष संवाद का महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने कहा कि आमने-सामने की भागीदारी समन्वय को मजबूत करती है और उन क्षेत्रीय मुद्दों पर स्पष्टता लाती है, जिनके समाधान के लिए नीति-स्तरीय हस्तक्षेप आवश्यक है। मुख्य सचिव ने पर्यटन, बागवानी, स्वास्थ्य एवं वेलनेस और शहरी विकास को राज्य की विकास यात्रा के प्रमुख स्तंभों के रूप में चिन्हित करते हुए अनियोजित शहरी विस्तार को रोकने हेतु नियोजित एवं सतत शहरीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि "विकसित उत्तराखंड 2047 तभी साकार होगा जब नीति निर्माण में जमीनी वास्तविकताओं का समुचित प्रतिबिंब हो। आशा है कि यह विचार-विमर्श हमारे साझा दीर्घकालिक लक्ष्य के लिए ठोस और समन्वित समाधान प्रदान करेगा। प्रमुख सचिव डा. आर. मीनाक्षी सुन्दरम ने विकसित उत्तराखंड 2047 की विजनिंग प्रक्रिया प्रस्तुत की और 2025 से 2047 तक सतत विकास प्राप्त करने हेतु प्रस्तावित व्यापक आर्थिक मार्गों का विवरण दिया। बताया गया कि राज्य का जीएसडीपी 3.78 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2047 तक 28.92 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचने का अनुमान है। उन्होंने उच्च-मूल्य कृषि की ओर संक्रमण, सेवा क्षेत्र के विस्तार, डिजिटल पहुँच एवं गुणवत्ता के सुदृढ़ीकरण, साथ ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के उन्नयन की आवश्यकता पर जोर दिया। वित्त सचिव दिलीप जावलकर ने राज्य की वित्तीय स्थिति प्रस्तुत करते हुए उभरती चुनौतियों जैसे अनुदानों की समाप्ति, राजस्व वृद्धि में मंदी और व्यय में बढ़ोतरी का उल्लेख किया। उन्होंने साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण, यथार्थवादी अनुमान, लाइफ-साइकिल लागत आकलन और विभागों के बीच समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि राज्य की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। इंफ्रास्ट्रक्चर एवं मोबिलिटी रोडमैप प्रस्तुत करते हुए सचिव पंकज पांडे ने पिछले 25 वर्षों में बेहतर कनेक्टिविटी के क्षेत्र में हुई प्रगति को रेखांकित किया और डी-कंजेशन उपायों, मजबूत एवं लचीले बुनियादी ढांचे, तथा सार्वजनिक परिवहन के बेहतर एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया, विशेषकर पर्यटन तथा आर्थिक विकास को गति देने के लिए। पर्यटन विभाग की अतिरिक्त सचिव ने विंटर टूरिज्म की अवधारणा प्रस्तुत की। इस संबंध में कुछ सर्किट चिन्हित किए गए हैं तथा इसे क्रियाशील बनाने के लिए नीतियों एवं प्रभावी अभिसरण की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अतिरिक्त, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चम्पावत, उधम सिंह नगर और हरिद्वार के जिलाधिकारियों द्वारा क्रमशः हर्बल एवं औषधीय पौधों, वाइब्रेंट विलेजेज, बागवानी की संभावनाएँ, आकांक्षी जिला पहल तथा कचरा प्रबंधन से संबंधित जिला-स्तरीय उत्कृष्ट कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया। विभिन्न जिला-स्तरीय चुनौतियों को भी जिलाधिकारियों द्वारा साझा किया गया। इस पर मुख्य सचिव ने सुझाव दिया कि चुनौतियों के समाधान एवं राज्य के त्वरित विकास हेतु कुछ संस्थागत ढाँचे विकसित किए जाने आवश्यक हैं। बैठक में अपर सचिव नवनीत पांडेय ने सम्मेलन का सफल संचालन किया। इस दौरान बैठक में प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु व एल एल फैनई सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

# अंतिम सांसें गिनता नक्सली माओवाद

छत्तीसगढ और आंध्रप्रदेश की सीमा पर हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने शीर्ष माओवादी क्रूर हिंसा के प्रतीक बन चुके हिड़मा को मार गिराने के बाद सात अन्य नक्सलियों को मार गिराने के साथ तय है, कि अब नक्सली हिंसा अपने अंतिम चरण में है। मार्च 2026 तक इसका समूल नाश हो जाएगा, क्योंकि अब प्रमुख नक्सली सरगनाओं की गिनती मात्र 3-4 तक सिमट गई है। यदि वे हथियार डालकर समर्पण नहीं करते हैं तो उनका भी अंत होना तय है। हालांकि इस मुठभेड़ में मप्र के बालाघाट में पदस्थ निरीक्षक आशीष शर्मा को बालिदान देना पड़ा है। माओवादी अर्से से देश में एक ऐसी जहरीली विचारधारा रही है, जिसे नगरीय बौद्धिकों का समर्थन मिलता रहा है। ये बौद्धिक नक्सली संगठनों को आदिवासी समाज का हितचिंतक मानते रहे हैं, जबकि जो आदिवासी नक्सलियों के विरोध में रहे, उन्हें इनकी हिंसक क्रूरता का शिकार होना पड़ा है। बावजूद इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि देश के वामपंथी दलों को कभी भी सुरक्षाबलों का नक्सलियों के खिलाफ चलाया जा रहा सफाये का अभियान पसंद नहीं आया। इससे पहले छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के जंगल में सुरक्षा बलों के नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता तब मिली थी, जब डेढ़ करोड़ के इनामी बसव राजू समेत 27 माओवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया था। यह कुख्यात दरिंदा होने के साथ गुरिल्ला लड़ाका था। माओवादी पार्टी का इसे पर्याय माना जाता था। इसका नक्सली सफर 1985 से शुरू हुआ था। इसने वारंगल के क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई की थी। नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। वामपंथी माओवादी उग्रवाद कभी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जाता रहा है। लेकिन चाहे जहां रक्तपात की नदियां बहाने वाले इस उग्रवाद पर लगभग नियंत्रण किया जा चुका है। नई रणनीति के अंतर्गत अब सरकार की कोशिश है कि सीआरपीएफ की तैनाती उन सब अज्ञात क्षेत्रों में कर दी जाएं जहां नक्सली अभी भी ठिकाना बनाए हुए हैं। इस नाते केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में 4000 से अधिक सैन्यबल तैनात करने जा रहा है। केंद्र सरकार की कोशिश है कि 31 मार्च 2026 तक इस क्षेत्र को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाए। इतनी बड़ी संख्या में सैन्यबलों की अज्ञात क्षेत्र में पहुंच का मतलब है कि अब इस उग्रवाद से अंतिम लड़ाई होने वाली है। मजबूत और कठोर कार्य योजना को अमल में लाने का ही नतीजा है कि इस साल सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 2024 में 153 नक्सली मारे जा चुके हैं। शह का कहना है कि 2004. 14 की तुलना में 2014 से 2024 के दौरान देश में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 53 प्रतिशत की कमी आई है। 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की 16,274 वारदातें दर्ज की गई थीं, जबकि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 10 सालों में इन घटनाओं की संख्या घटकर 7,696 रह गई। इसी अनुपात में देश में माओवादी हिंसा के कारण होने वाली मौतों की संख्या 2004 से 2014 में 6,568 थीं, जो पिछले दस साल में घटकर 1990 रह गई हैं और अब सरकार ने जो नया संकल्प लिया है उससे तय है कि जल्द ही इस समस्या को निर्मूल कर दिया जाएगा। जिस तरह से नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आतंक और अलगाववाद खत्म करने की निर्णायक लड़ाई लड़ी थी, वैसी ही स्थिति अब छत्तीसगढ़ में अनुभव होने लगी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र कमजोर हुआ है, लेकिन उसकी शक्ति अभी शेष है। अब तक पुलिस व गुप्तचर एजेंसियां इनका सुराग लगाने में नाकाम होती रही थीं, लेकिन नक्सलियों पर शिकंजा कसने के बाद से इनको भी सूचनाएं मिलने लगी हैं। इसी का नतीजा है कि सैन्यबल इन्हें निशाना बनाने में लगातार कामयाब हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं। इनका कार्यक्षेत्र वह आदिवासी बहुल इलाके हैं, जिनमें ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना मुश्किल होता है। लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर लेते हैं। दुर्गम जंगली क्षेत्रों के मार्गों में छिपने के स्थलों और जल स्रोतों से भी ये खूब परिचित हैं। इसलिए ये और इनकी शक्ति लंबे समय से यहीं के खाद-पानी से पोषित होती रही है। हालांकि अब इनके हमलों में कमी आई है। दरअसल इन वनवासियों में अर्बन माओवादी नक्सलियों ने यह भ्रम फैला दिया था कि सरकार उनके जंगल, जमीन और जल-स्रोत उद्योगपतियों को सौंपकर उन्हें बेदखल करने में लगी है, इसलिए यह सिलसिला जब तक थमता नहीं है, विरोध की मुहिम जारी रहनी चाहिए। सरकारें इस समस्या के निदान के लिए बातचीत के लिए भी आगे आईं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इन्हें बंदूक के जरिए भी काबू में लेने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन नतीजे पूरी तरह अनुकूल नहीं रहे। एक उपाय यह भी हुआ कि जो नक्सली आदिवासी समर्पण कर मुख्यधारा में आ गए थे, उन्हें बंदूकें देकर नक्सलियों के विरुद्ध खड़ा करने की रणनीति भी अपनाई गई। इस उपाय में खून.खराबा तो बहुत हुआ, लेकिन समस्या बनी रही। गोया, आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने से लेकर विकास योजनाएं भी इस क्षेत्र को नक्सल मुक्त करने में अब तक सफल नहीं हो पाई हैं। इस मुठभेड़ में मारे गए हिड़मा का बस्तर के इस जंगली क्षेत्र में बोलबाला रहा है। वह सरकार और सुरक्षाबलों को लगातार चुनौती दे रहा था, जबकि राज्य एवं केंद्र सरकार के पास मोदी सरकार से पहले रणनीति और दृढ़ इच्छा शक्ति की हमेशा कमी रही थी। तथाकथित शहरी माओवादी बौद्धिकों के दबाव में भी मनमोहन सिंह सरकार रही। इस कारण भी इस समस्या का हल दूर की कौड़ी बना रहा। यही वजह थी कि नक्सली क्षेत्र में जब भी कोई विकास कार्य या चुनाव प्रक्रिया संपन्न होती थी तो नक्सली उसमें रोड़ा अटका देते थे। अब हिड़मा के मारे जाने के बाद नक्सली समस्या का हल की गुंजाइश बढ़ गई है। कांग्रेस की पूर्व केंद्र तथा छत्तीसगढ़ की राज्य सरकार नक्सली समस्या से निपटने के लिए दावा कर करती रही हैं कि विकास इस समस्या का निदान है। यदि तत्कालीन छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के विकास संबंधी विज्ञापनों में दिए जा रहे आंकड़ों पर भरोसा करें तो छत्तीसगढ़ की तस्वीर विकास के मानदण्डों को छूती दिख रही है, लेकिन इस अनुपात में यह दावा बेमानी है कि समस्या पर अंकुश विकास की धारा से लग रहा है, क्योंकि इसी दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं को नक्सली बनाए जाने के प्रमाण भी मिले थे। बावजूद कांग्रेस के इन्हीं नक्सली क्षेत्रों से ज्यादा विधायक जीतकर आते रहे थे। हालांकि नक्सलियों ने कांग्रेस पर 2013 में बड़ा हमला बोलकर लगभग उसका सफाया कर दिया था। कांग्रेस नेता महेन्द्र कर्मा ने नक्सलियों के विरुद्ध सलवा जुडूम को 2005 में खड़ा किया था। सबसे पहले बीजापुर जिले के ही कुर्तु विकासखण्ड के आदिवासी ग्राम अंबेली के लोग नक्सलियों के खिलाफ खड़े होने लगे थे। नतीजतन नक्सलियों की महेंद्र कर्मा से दुश्मनी ठन गई थी। इस हमले में महेंद्र कर्मा के साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नंदकुमार पटेल और हरिप्रसाद समेत एक दर्जन नेता मारे गए थे। लेकिन कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में अपनी खोई शक्ति फिर से हासिल कर ली थी, बावजूद नक्सलियों पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पाई थी। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अपदस्थ कर भाजपा फिर सत्ता में आई, उसके बाद से ही नक्सलियों के सफाए का सिलसिला चल रहा है।दरअसल, देश में अब तक तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोला था। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्ट्रघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों और वकीलों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायालय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की थी और गिरफ्तारियों को गलत ठहराया था। माओवादी किसी भी प्रकार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पसंद नहीं करते हैं। इसलिए जो भी उनके खिलाफ जाता है, उसकी बोलती बंद कर दी जाती हैं। लेकिन अब इस चरमपंथ पर पूर्ण अंकुश लगने जा रहा है।

**प्रमोद भार्गव,लेखक/पत्रकार**

# जागेश्वर धाम की सुरक्षा को लेकर एजेंसियां अलर्ट

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)।दिल्ली में पूर्व में हुए ब्लॉस्ट के बाद धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई है। गुरुवार को अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम का सुरक्षा एजेंसियों ने निरीक्षण किया। इस दौरान धाम के सेफ्टी ऑडिट की समीक्षा की गई तो सुरक्षा में तमाम खामियां मिलीं। इस पर इन खामियों को दूर करने के निर्देश जारी किए गए हैं। दरअसल, दिल्ली में बीते दिनों हुए ब्लॉस्ट के बाद सुरक्षा एजेंसिया देश भर में अलर्ट हो गई हैं। वहीं, धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है। इध र, अलर्ट के बीच गुरुवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा के नेतृत्व में आईबी, एलआईयू सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियां जागेश्वर धाम पहुंच सुरक्षा का ऑडिट किया। टीम ने पाया कि जागेश्वर धाम में मास्टर प्लान के तहत केवल मंदिर में ही सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। मंदिर के बाहर, बाजार या रामलीला मंच के पास कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। प्रवेश द्वार पर लगे सीसीटीवी से ही सुरक्षा मापी

जा रही है। बाजार और सड़क पर नजर बनाए रखने के लिए कोई कैमरा नहीं लगाया गया है। एसएसपी ने अधिकारियों को तत्काल सुरक्षा को देखते हुए हर एंगल में सीसीटीवी लगाने के निर्देश दिए। यहां निरीक्षण के दौरान सीओ सदर गोपाल दत्त जोशी, डीसीआईओ आईबी राजीव जोशी, प्रभारी निरीक्षक अभिसूचना मनोज भारद्वाज, तहसीलदार ज्योती धपवाल, तहसीलदार बरखा जलाल समेत कई अधिकारी मौजदू रहे। सुरक्षा की दृष्टि से एसएसपी ने मंदिर में डीएफएमडी स्थापित करने के निर्देश दिए। जल्द ही यहां प्रवेश द्वार पर एक डीएफएमडी स्थापित कर दिया जाएगा। श्रद्धालु डीएफएमडी की जांच के बाद ही मंदिर में प्रवेश कर पाएंगे। इसके अलावा जागेश्वर में रामलीला मंच स्थल के पास बनाई गई दर्शक दीर्घा को भी सीसीटीवी कैमरों से लैस किया जाएगा।

# पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। अल्मोड़ा नगर से सटे ग्राम सभा बख में आतंक का पर्याय बना गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है। गुलदार के पिंजरे में कैद होने से लोगों और वन विभाग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली। दरअसल, लंबे समय से धारानौला के चीनाखान, गोपालधारा, गोलनाकरड़िया, सरसों, बख समेत कई इलाकों में गुलदार की धमक से लोगों में दहशत थी। आए दिन रिहायशी इलाकों में गुलदार की चहलकदमी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो रही थी। जिससे लोगों में

भय का माहौल बना हुआ था। वहीं, घरों के आंगन से गुलदार कई कुत्तों को भी उठा ले गया। लोगों की मांग के बाद वन विभाग ने क्षेत्र के बख गांव समेत अन्य इलाकों में पिंजरा लगाया हुआ था। वहीं, गुरुवार तड़के गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है। जिसे रेस्क्यू कर विभाग ने एनटीडी स्थित रेस्क्यू सेंटर पहुंचा दिया है। वन विभाग के वन क्षेत्राधिकारी मोहन राम आर्य ने बताया कि शिकायत मिलने पर बख में विभाग की ओर से पिंजरा लगाया गया था। गुरुवार तड़के गुलदार पिंजरे में कैद हो गया। पकड़े जाने के बाद गुलदार को रेस्क्यू सेंटर भेज दिया गया है।

# गुरूद्वारा श्री गुरु हरगोबिंद सर में सजा गुरुमत समागम

## शहीदी दिवस पर 7 दिसंबर को होंगे विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं

गदरपुर । गुरुद्वारा श्री गुरु हरगोबिंद सर नवाबगंज में प्रति माह की अमावस को सजाए जा रहे भारी गुरुमत समागम में वक्ताओं द्वारा हरि जस गायन करने के साथ गुरु वाले बनने का संदेश दिया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के अखंड पाठ के भोग के उपरांत रागी भाई हरजीत सिंह द्वारा गुरबाणी का कीर्तन करने के साथ किया गया । वहीं कार्यक्रम के समापन पर भाई जसवीर सिंह द्वारा सर्वत्र सुख शांति की अरदास की गई,इससे पूर्व कथा वाचक भाई हरविंदर सिंह और जसवीर सिंह द्वारा गुरबाणी विचार करते हुए सभी को नित्य प्रति गुरबाणी जाप करने का आह्वान किया गया। कवि सतनाम सिंह व शौंकी द्वारा शहीदों का इतिहास वर्णित करते हुए अपना जीवन गुरु

वाले बनकर व्यतीत करने की अपील की गई । शाहजहांपुर से आए बाबा करम सिंह की टीम द्वारा हरजस गायन करते हुए सभी संगत को आगामी आने वाले गुरु तेग बहादुर जी के 350 वें शहीदी समागम में सहभागिता करने की अपील की गई । कार्यक्रम समापन के उपरांत गुरुद्वारा श्री गुरु हरगोविंद सर नवाबगंज के मुख्य सेवादार वीर अनूप सिंह ने बताया कि आगामी 7 दिसंबर दिन रविवार को श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350 वें शहीदी समागम का आयोजन किया जाएगा जिसमें विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के साथ विद्वान कथावाचकों द्वारा गुरबाणी की व्याख्या एवं सिख धर्म के सिद्धांतों का वर्णन किया जाएगा साथ ही मीरी पीरी खालसा अकैडमी में आयोजित की जा रही प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया जाएगा वीर अनूप सिंह ने सभी संगत से कार्यक्रम अनुसार पहुंचने की अपील की गई है । कार्यक्रम का संचालन करमजीत सिंह ने किया । बाबा गुरमीत सिंह की देखरेख में गुरु का लंगर अटूट बांटा जाएगा।

# कुलपति तृप्ता ठाकुर ने राज्यपाल से की भेंट

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से गुरुवार को राजभवन में उत्तराखण्ड तकनीकी विश्व विद्यालय की कुलपति प्रो तृप्ता ठाकुर ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने कुलपति से विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान कार्यों तथा तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ करने संबंधी विषयों की जानकारी ली

## पेज एक का शेष...

**अर्टिगा और बोलेरो...** रेंज में अवैध कटान और तस्करों की गतिविधियों की सूचना मिली थी। इस सूचना के बाद वह हल्दुआ चौकी से अन्य वनकर्मियों को लेने बुलेरो लेकर निकले थे। इसी दौरान पीरूमदारा के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार एर्टिका कार रॉन्ग साइड में आकर उनकी गाड़ी से जोरदार टकरा गई। हादसे में एर्टिका कार में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए। इनमें 60 वर्षीय सुशीला देवी, उनके पति राधे राम, पौड़ी गढ़वाल निवासी आनंद बल्लभ जोशी, और धर्मेंद्र सिंह शामिल थे। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से संयुक्त चिकित्सालय, रामनगर लाया गया। चिकित्सकों ने सुशीला देवी और आनंद बल्लभ जोशी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर किया। धर्मेंद्र सिंह को हल्की चोटें आईं; उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बाहर उपचार कराने की अनुमति दी गई, हालांकि डॉक्टरों ने भर्ती की सलाह दी थी। वनकर्मी मनीष बिष्ट की आकस्मिक मौत से वन विभाग में शोक की लहर है। मनीष अपने पीछे एक पुत्र और परिवार छोड़ गए हैं। रेंज अधिकारी पूरन सिंह खनायत ने बताया कि मनीष तस्करों की गतिविधियों के मद्देनजर अन्य वनकर्मियों को लेने जा रहे थे। उन्होंने कहा कि मनीष विभाग के समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारियों में से एक थे। संयुक्त चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. विनोद कुमार टम्टा ने पुष्टि की कि कुल चार लोग अस्पताल लाए गए थे, जिनमें एक को मृत घोषित किया गया। पुलिस ने दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया और मामले की जांच शुरू कर दी।

**कांग्रेस ने वन विभाग...** जंगलों और ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली जानवरों के हमले लगातार बढ़ रहे हैं। यह केवल ग्रामीणों की सुरक्षा का सवाल नहीं है, बल्कि उनकी जान और जीवनयापन का मामला है। यदि सरकार ने तत्काल प्रभाव से ठोस कदम नहीं उठाए, तो हमें मजबूर होकर आंदोलन और अधिक उग्र करना पड़ेगा। हम यह भी मांग करते हैं कि पीड़ित परिवारों के लिए स्पष्ट मुआवजे की नीति बनाई जाए और हर हमले के बाद त्वरित राहत सुनिश्चित की जाए। गणेश गोदियाल ने कहा कि कांग्रेस सरकार से यह भी मांग करती है कि जंगलों और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित सुरक्षा उपाय, जैसे जंगली जानवरों के प्रवास मार्ग पर निगरानी, चेतावनी संकेत और आपातकालीन प्रतिक्रिया दल तैनात किए जाएं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा अगर वन विभाग और सरकार ने हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो हम अपने आंदोलन को और व्यापक और उग्र रूप देंगे। यह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि जनता की सुरक्षा का मामला है, और हम इसे लेकर पीछे नहीं हटेंगे।

**साईबर ठगों ने ...** लेकिन इसके बाद ठगों ने कॉल उठाना बंद कर दिया और सम्पर्क टूट गया। दूसरे मामले में गगन पुरी निवासी रुचीपुरा निरंजनपुर ने शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनके जेप्टो एप से कुछ रकम कट गई थी। शिकायत करने पर 21 अक्टूबर को उन्हें वीडियो कॉल आया। कॉल में व्यक्ति ने खुद को कस्टमर सपोर्ट कर्मचारी बताकर विश्वास दिलाया कि उनकी कटौती का रिफंड किया जाएगा। इसी बहाने ठग ने उनके Google Pay] PhonePe और Paytm खातों को हैक कर लिया और 1.11 लाख रुपये उड़ा दिए। पटेलनगर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक चंद्रभान अधिकारी ने बताया कि दोनों शिकायतों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। उन्होंने नागरिकों से चेतावनी दी है कि वे किसी भी ऑनलाइन निवेश या कॉल पर अपनी निजी जानकारी साझा करने से पहले सावधानी बरतें, ताकि साइबर ठगी की घटनाओं से बचा जा सके।

**एडीएम ने बेस...** कार्य शीघ्र प्रारंभ कर दिया जाएगा और जल्द ही लिफ्टें सुचारू रूप से संचालित हो सकेंगी। प्रशासन की त्वरित पहल से अस्पताल में आने वाले मरीजों, तीमारदारों और कर्मचारियों को जल्द ही बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों ने इस त्वरित कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

**जीएसटी अधिकारी...** में धरना प्रदर्शन करने वालों में सुरमुख सिंह विर्क, हरीश अरोरा, पवन गाबा, जतिन नागपाल, शिवेन् सेठी, लवली परुथी, निर्मल सिंह हंसपाल, गौरव गांधी, पारस अरोरा, राजेश घीक, राजकुमार सीकरी, नवीन बांगा, विजय फुटेला, प्रदीप कामरा, चेतन खनीजो, शालिग्राम बंसल, सागर अरोरा, मनीष बांगा, विशाल हुडिया, सुमित अरोरा, जिम्मी ठुकराल आदि शामिल थे।

22 **टायरा टक...** बात यह है कि इतने भारी वाहन पर कोई नंबर प्लेट तक नहीं लगी थी, जिससे उसके स्रोत और चालक की पहचान पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, डंपर लालपुर की ओर से आ रहा था और काफी देर से तेज रफ्तार में देखा जा रहा था। 22 टायरा में रेता भरा हुआ था। घटनास्थल पर मौजूद एक दर्शक ने हादसे का एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया, जिसे उसने हमारे साथ साझा किया है।


## उत्तराखण्ड पॉवर कारपोरेशन लि.

### कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
### विद्युत वितरण खण्ड- किच्छा ( ऊधमसिंह नगर )-263148

## विद्युत बाधित सूचना

विद्युत वितरण खण्ड किच्छा के अधीन सम्बन्धित 33/11 के0वी0 उपसंस्थान किच्छा में अनुबन्ध सं0 1351 एवं 1352/C (C&P-1)/41/2023-24/Package K-RDSS-EDC RDR के तहत के परियोजना के अन्तर्गत कार्य होना प्रस्तावित है। सारणी अनुसार निम्नलिखित तिथि को विद्युत आपूर्ति पूर्णत: / आंशिक रूप से बाधित रहेगी।

अत: आपसे अनुरोध है कि विभाग को सहयोग करने की कृपा करें व उक्त समयावधि में वैकल्पिक व्यवस्था भी करने का कष्ट करें तथा इन्वर्टर व जनरेटर को चलाते समय ग्रिड लाईन से अलग करके ही चलाये जिससे बैंक फिडिंग के कारण किसी भी अप्रिय घटना से बचाव हो सके।

| क्र. सं. | उपसंस्थान का नाम | प्रभावित पोषक | प्रभावित क्षेत्र | तिथि | समय |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 33/11 के0वी0 उपसंस्थान, किच्छा | 33 के0 वी0 एसआर होण्डा | महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा, महिन्द्रा सी0आई0ई0, साई बाबा उद्योग व स्वातिक आहार | 23.11.2025 | प्रात: 09:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक |

Customer Care Toll Free No- 1912
"Pay Electricity Bill online 24x7 from www.upcl.org"

राष्ट्रहित में बिजली बचायें।

पत्रांक: 4626 /वि0वि0ख0-(कि0)दिनांक: 21.11.2025

अधिशासी अभियन्ता


## सूचना नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम Vipasa Mandal (पुराना नाम)से बदलकर अब Vipasa Mondal Roy (नया नाम) कर लिया है। अत: भविष्य में मुझे Vipasa Mondal Roy के नाम से जाना व पहचाना जाए।

Vipasa Mondal Roy W/o Sumit Mondal निवासी-वार्ड न.-25, फाजलपुर महरौला, शनि मंदिर, रूद्रपुर (उधमसिंहनगर)उत्तराखंड

## सूचना नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम Sumit Mandal (पुराना नाम) से बदलकर Sumit Mondal (नया नाम) कर लिया है। भविष्य में मुझे Sumit Mondal के नाम से जाना व पहचाना जाए। Sumit Mondal S/o Narayan Mondal निवासी वार्ड संख्या 25,फाजलपुर महरौला,रुद्रपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड

# फरहा नाज के उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर मोहम्मद शादाब ने जताया आभार

गदरपुर। बृहस्पतिवार को किसान सेवा सहकारी समिति लिमिटेड से फरहा नाज के निर्विरोध उपाध्यक्ष बनने के बाद उनके प्रतिनिधि मोहम्मद शादाब ने

सहकारी समिति में मौजूद डायरेक्टर, सभी स्टाफ सहित अपने समर्थक और वरिष्ठ नेता गणों का आभार व्यक्त किया है वही मोहम्मद शादाब की पत्नी के किसान सेवा सहकारी समिति में उपाध्यक्ष बनने के बाद मो शादाब को सोशल मीडिया पर ढेरों शुभकामनाएं मिल रही है और नगर में कई जगह माल्यार्पण कर उनका स्वागत भी किया गया है समर्थकों ने खुशी का इजहार करते हुए मिष्ठान वितरण किया मोहम्मद शादाब ने बताया कि सभी क्षेत्र की जनता ने जिस तरह से उन्हें प्यार दिया है वह उस पर खरा उतरेंगे और किसानों को आने वाली किसी भी समस्याओं के निदान के लिए हर समय तैयार रहेंगे उन्होंने पुन: सभी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद अर्पित किया।


संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा

स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर ( उत्तराखण्ड )से मुद्रित एवं प्रकाशित

सम्पादक- परमपाल सुखीजा

आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।

E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in

फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

# किसान दलवीर व लखवीर बने लकी ड्रा बुलेट योजना विजेता

सितारगंज(उद संवाददाता)। प्रगतिशील किसान दलवीर सिंह, लखवीर सिंह पीआई इंडस्ट्रीज लकी ड्रा बुलेट योजना के विजेता बने हैं। ग्राम कठगरी मंजीत फार्म निवासी प्रगतिशील किसान दलवीर सिंह व लखवीर सिंह को पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड की "लकी ड्रा बुलेट योजना" का विजेता घोषित किया गया है। उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र रुद्रपुर, बरेली रीजन में चर्चा का विषय बनी हुई है। योजना का उद्देश्य उन्नत कृषि तकनीकों तथा डिजिटल साधनों के माध्यम से किसानों को जागरूक व प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु अनुशंसित मिश्रण पूरे वैज्ञानिक ढंग से प्रयोग किया। उन्होंने प्रति एकड़ 60 ग्राम एवकीरा तथा 2 लीटर बंकर को 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव किया। जिसमें कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई मशीन एवं स्टाफ का सहयोग लिया गया। लकी ड्रा योजना में भागीदारी हेतु किसानों को यह प्रक्रिया अपनानी थीं। दलवीर सिंह व लखवीर सिंह के अनुशासित और प्रगतिशील कार्यों की सराहना करते हुए पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अधिकारियों ने बधाई दी। क्षेत्र के अन्य किसानों से भी डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाने और नवीन कृषि तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया। इस मौके पर कंपनी के अधिकारी निर्देश कुमार डॉ सुमित गंगवार ईशा सिंह भारगीरथ राम निवास के ऑनर राजेश गर्ग ब अमित गुप्ता गुप्ता ट्रेडर्स और ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल, ग्राम प्रधान सलीम अहमद ,कर्नल जगमोहन जीत सिंह मजहर अहमद गुरप्रीत सिंह देओल रणवीर सिंह सफी अहमद वीरेंद्र सिंह कंग अदीब अहमद कुलदीप सिंह बिक्कर रंधावा तेजवंत सिंह बल लवतेज रंधावा आदिल अहमद कुलवीर सिंह मान आदि मौजूद थे।

# सीएम धामी ने बिहार में वरिष्ठ नेताओं से की भेंट

पटना/देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बिहार के गांधी मैदान, पटना में आयोजित बिहार की नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिभाग करने पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद के सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि बिहार और उत्तराखंड के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और

सामाजिक संबंध रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई सरकार के नेतृत्व में बिहार राज्य नई ऊर्जा और संकल्प के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री धामी ने देशभर से पहुंचे विभिन्न राज्यों के गणमान्य नेताओं से भी शिष्टाचार भेंट की और उनसे राष्ट्रीय विकास, सुशासन तथा समन्वित प्रगतिशील नीतियों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री धामी ने बिहार के जनता जनार्दन के उज्ज्वल भविष्य, राज्य की निरंतर प्रगति और नवगठित सरकार के सफल कार्यकाल की शुभकामनायें प्रेषित कीं।

# बिरिया से सुखविन्द्र और नानकमत्ता से प्रहलाद बने अध्यक्ष

नानकमत्ता। सहकारिता समित विरिया एंव नानकमता के सम्पन चुनाव में बिरिया में सुखविन्द्र सिंह एंव नानकमत्ता प्रहलाद सिंह अध्यक्ष पद पर विजयी घोषित हुए। सहकारिता समिति के हुये चुनाव में हुए नामांकन के पश्चात बिरिया एंव नानकमत्ता सहकारिता समिति के चुनाव में आमने सामने हुये चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी बिरिया सहकारिता समिति से प्रहलाद सिंह विजयी हुए। वही नानकमत्ता सहाकारिता समिति के चुनाव में मिल्क माफी नानकमत्ता के प्रहलाद सिंह ने विजय हासिल की है। दोनों सहकारिता समिति में भाजपा समर्थकों को कब्जा होने पर भाजपाईयों ने खुशी जताते हुये उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। दोनों विजय प्रत्याशी ने किसानों के हित में काम करने का भरोसा दिलाया, और किसानों को जल्द समय से खाद दिलाने की बात कही। पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा ने विजय अध्यक्ष को बधाई देते हुये इसे भाजपा की जीत बताया। इस मौके पर जगदीश जोशी ओमनरायण राणा, बलवीर राणा, सुरजीत राणा, सुमित जोशी , रवि ग्रेवाल आदि थे।

# सहकारी समिति की पूजा दत्त चेयरमैन, फरहा नाज बनी वॉइस चेयरमैन

## किसान सहकारी समिति में युवा कार्यकारिणी से आएंगे बड़े बदलाव: मो शादाब

गदरपुर(उद संवाददाता)। बहुउद्देशीय किसान सेवा सहकारी समिति लिमिटेड गदरपुर के चुनाव में निर्विरोध पूजा दत्त अध्यक्ष तो फरहा नाज उपाध्यक्ष निर्वाचित हुई है उनके सामने कोई अन्य प्रत्याशी पर्चा दाखिल नहीं कर सका जिसके कारण इनका निर्विरोध निर्वाचित होना तय हो गया था निर्वाचन परिणाम की घोषणा होते ही उनके समर्थक खुशी से झूम उठे और मिष्ठान वितरण कर अपने उत्साह का इजहार किया वहीं मौके पर पहुंचे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राजेंद्र पाल सिंह राजू ने दोनों नवनिर्वाचित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अब युवाओं के हाथ में किसान सहकारी समिति की कमान है यह बहुत ही अच्छे तरीके से कार्य करते हुए समिति को

आगे बढ़ाने में कामयाब होंगे वही अन्य लोगों ने भी नवनिर्वाचित दोनों प्रत्याशियों को जीत की बधाई दी और उनके नए अध्यक्ष और वाइस चेयरमैन के रूप में सफलता का जश्न मनाया वही फरहा नाज के प्रतिनिधि मोहम्मद शादाब ने बताया कि उनका उद्देश्य समिति को मजबूती प्रदान करना किसानों के हित में नई योजनाओं को लागू करना और सभी सदस्यों के साथ पारदर्शी व ईमानदार प्रशासन सुनिश्चित करना रहेगा इस दौरान सुरेश कंबोज,इंद्रपाल सिंह संधू, शैलेंद्र शर्मा, विजय, शाकिर अली, राजू डूमरा, गुरविंदर सिंह, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।